मेरा राजस्थान

वर्ष-२१, अंक-०३, मुम्बई, मई २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४० मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

'जैतारण' के विशेषांक प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

SAE

SUBHASH AUTO ENTERPRISES
RAJASTHAN RATNA SINCE 1966
K. Subhashchand Ranka
Founder Partner

motrparts.com
Trusted E-supplier of CAR parts

Off.: BR Complex, 27 & 28, Woods Road, Mount Road, Chennai, Tamil Nadu, Bharat-600 002,
Ph: 42027400/45540144, Mob: 9384602854, Email: contact@subashauto.com

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

भारत को 'भारत' ही बोला जाए अभियान

MOIRA®
THERMEX® TMT BARS

The Backbone of Your Structure

MOIRA means
Double strength for your Construction

Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS

JAIDEEP METALLICS & Alloys Pvt. Ltd.

106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E),
Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

www.mainbharathun.co.in

राष्ट्रमाता बनें

निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

द्वारा आयोजित

28th JUNE 2026

AT Kolkata

We Meet at DHONO DHANYO Auditorium, Alipore

भारतीय सांस्कृतिक समागम

भारत का एक राज्य पश्चिम बंगाल की राजधानी 'कोलकात्ता' में स्थापित
'धनोधान्य' अलीपुर सभागार में २८ जून २०२६ रविवार को
भव्यतिभव्य भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

भव्यतिभव्य, सांस्कृतिक,
ऐतिहासिक कार्यक्रम के साथ
B2B का आयोजन
नृत्य, गीत, संगीत के साथ
भारतीय व्यंजन का भी रहेगा संगम

अंतर्राष्ट्रीय पदाधिकारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय सांस्कृतिक निर्देशक
बिजय कुमार जैन, मुंबई	शोभा सादानी, कोलकाता	डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा	निशा लड्ढा, कोलकाता	सुशीला पुगलिया, कोलकाता	दिलीप सेन, मुंबई
मो. 9322307908	मो. 8910628944	मो. 9414183919	मो. 9830224300	मो. 8617203712	मो. 93228 66476
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री**	**राष्ट्रीय उपाध्यक्ष**	**संगठन मंत्री**	**अंतर्राष्ट्रीय संयोजक**	**अंतर्राष्ट्रीय संयोजक**
रवि जैन, मुंबई	वर्षा मूँधड़ा, कोलकाता	मंजू अग्रवाल, पुणे	अनुपमा शर्मा (दाधीच), मुंबई	अरूण मूँधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका	किशोर जैन, लंदन, यूके
मो. 81088435715	मो. 9874272916	मो. 8806751782	मो. 9702205252	मो. 01(919)610-7106	मो. 044 (770) 3827595

७ ३० मार्च २०२६ राजस्थान स्थापना दिवस पुणे...

११ महान था-महान है और रहेगा हमारा राजस्थान...

१३ जैती रे बलिदान सू, बणियों 'जैतारण'...

१७ श्री मरुधर केसरी पावनधाम...

२७ आनंदपुर कालू मेरी जन्मभूमि-मेरा अभिमान...

३२ सेवा, साधना, समर्पण...- सुभाषचंद रांका

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान' जून २०२६ का विशेषांक

२३ जून

महेश नवमी

विशेषांक

(विशेष सामग्रीयों के साथ)

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

Remove INDIA Name From The Constitution

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

BRIJRATAN DAMANI

Mob: 9821068976

73, Shridhar Smruti, Devidas Ext. Road, Opp. Devki Nagar Jain Temple, Borivali West, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400 103 Ph: 022- 2890 7020

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

'राजस्थान स्थापना दिवस' पर आयोजित 'आपणों राजस्थान' को मिली अपार सफलता पर शुभकामनाएं

Chand Rattan Bagri

Mob. : 9873652222

Naman Bagri

CNB Finwiz Private Limited

301-303 EMCA House, 23/23B, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi, Bharat - 110002

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

वर्ष-२१, अंक ०३, मई २०२६

१२ अंक वार्षिक १२००/-

बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)

मो. 9702205252

सह सम्पादक- डॉ. अल्पना गंगवाल जैन

मो: 9369253113

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक

स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...

सम्पादकीय कार्यालय

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः **mailgaylordgroup@gmail.com**
mainbharathunfoundation@gmail.com

अन्तरताना : **http//: www.merarajasthan.co.in**
http//:www.bijayjain.com

https://www.facebook.com/merarajasthanpatrika/
https://x.com/merarajasthan01
https://www.instagram.com/mera_rajasthan10/
https://www.youtube.com/@Merarajasthan10

कृपया विज्ञापन बिल, सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि का भुगतान
नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908 UPI No.

जय जय राजस्थान
जय जय राजस्थानी

संपादकीय ....

पुणे की तरह कोलकाता में सजेगा भारतीय सांस्कृतिक मंच

भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए कटिबद्ध भारत सरकार द्वारा पंजीकृत 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' परिवार अपने कार्यों व सोच से विश्व में फैले भारतीयों को बता रहा है कि विश्व की सभी संस्कृति में भारतीय संस्कृति अव्वल है, कारण यह है कि भारतीय संस्कृति यही बताती है कि स्वयं जिएं और दूसरे को भी जीने दें, हर एक अपना जीवन अहिंसामयी बनाए।

विश्वचर्चित राजस्थानियों की एकमात्र पत्रिका 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठक ३० मार्च २०२६ को 'पुणे' में आयोजित भव्यतीभव्य अति सफलतम कार्यक्रम को अभी तक भूल ही नहीं पाए जो कि भारत के विभिन्न प्रदेशों में लोगों के लिए अविस्मरणीय बना हुआ है।

२८ जून को कोलकाता के अलीपुर के 'धनोधान्यो' सभागार में 'भारतीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई और निश्चय कर लिया 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' परिवार ने, की भारतीय संस्कृति का परचम कोलकाता महानगर में भी फहराएंगे, कारण यह है कि 'कोलकाता' मारवाड़ी राजस्थानियों का गढ़ है। मारवाड़ी समाज के ऐतिहासिक पन्नों को हम पढ़ें तो पता चलेगा कि जब मारवाड़ियों ने राजस्थान छोड़ असम व कोलकाता की तरफ निगाहें दौड़ाई तो असम व कोलकाता को चमन बना दिया, यह तो राजनीतिक सरगनाओं की देन रही कि मारवाड़ी राजस्थानियों ने जो कुछ सोचा, वह पूरा नहीं हो पाया, पर व्यापार के क्षेत्र में अपनी छाप जरूर छोड़ी है।

'मैं भारत हूं फाउंडेशन' परिवार विश्व में फैले भारतीय राजस्थानियों की भावना व कर्मठता को उद्यत करने हेतु कर्तव्यनिष्ठ है और लगातार कार्य करता भी चला जा रहा है। १० मई २०२६ को भारत के विभिन्न स्थलों में गौयात्रा 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यरत है, साथ ही २८ जून २०२६ को 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए, इंडिया नहीं,अभियान को सफल बनाने के लिए 'भारतीय सांस्कृतिक समागम' कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता के 'धनोधान्यो' सभागार में करने जा रहा है, जिसकी विस्तृत जानकारी 'मेरा राजस्थान' व अन्य पत्रिकाओं के आगामी विशेषांकों में प्रकाशित की जाएगी।

बतादें कि बहुत ही जल्द भारत की राजधानी दिल्ली में भी केंद्र सरकार के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की घोषणा भी करेगा, जिसकी सूचना भी 'मेरा राजस्थान' व 'गेलार्ड ग्रुप' की अन्य पत्रिकाओं में घोषित की जाएगी।

राजस्थान का एक और धार्मिक गांव-शहर 'जैतारण' के इतिहास का उल्लेख पाठकों की मांग के अनुसार प्रस्तुत किया जा रहा है जो 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों को जरूर अच्छा लगेगा, प्रबुद्ध पाठकों के मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में आपका अपना भाई संपादक बिजय कुमार जैन....!

जय गौ माता! जय भारत!

SBI BANK

for payment

HDFC BANK

for payment

आपका अपना

बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का आव्हान
करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

भारत को भारत ही बोलें INDIA नहीं, जय भारत!

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution

'भारतवर्ष' लिखवायें

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

३० मार्च २०२६ राजस्थान स्थापना दिवस पुणे की चित्रित झलकियां

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution

'भारतद्वार' लिखवायें

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

मेरा राजस्थान

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

३० मार्च पुणे रहवासियों के लिए एक यादगार दिन बन गया

पुणे: भारत का ही एक राज्य महाराष्ट्र में स्थापित सांस्कृतिक नगरी 'पुणे' के गणेश क्रीड़ा संकुल के विशाल सभागार के मंच पर 'पुणे' के भारतीय संस्कृति से रमे बच्चे, महिलाएं, पुरुष ने अपनी प्रतिभाओं को दिखाते हुए राजस्थान की विशालताओं का गुणगान, नाटिकाओं के द्वारा प्रस्तुति ही नहीं दी, देश का नाम एक ही रहे 'भारत' और गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान मिले, अभियान की सफलता के साथ विशाल सभागार को गूंजायमान कर दिया, इस गूंज को सुनने के लिए राजस्थान सरकार के नगर विकास एवं स्वायच शासन विभाग राज्यमंत्री झाबरसिंह खर्रा व सामाजिक न्याय एवं आधिकारिक विभाग राज्यमंत्री अविनाश गहलोत भी पधारे थे।

३० मार्च की सुबह १०:४५ पर विश्वचर्चित राम मंदिर अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी जी ने पधारकर अपना आशीर्वचन प्रदान किया और कहा कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा निर्मित अभूतपूर्व नाटिका 'विक्रम संवत्' पुणे निवासियों द्वारा अभिनीत प्रस्तुति को देख, अपने सात्विक प्रवचन से सभागार में उपस्थित पुणे निवासियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन की अभूतपूर्व राष्ट्रीय सोच 'भारत को केवल 'भारत' ही बोलना चाहिए, इस अंतरराष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में कहा कि मैं तो अपने देश को केवल 'भारत' ही बोलता हूं और राष्ट्रमाता का सम्मान 'गौमाता' को प्राप्त होना ही चाहिए।

कार्यक्रम की सफलता के लिए 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती निशा लड्ढा कोलकाता, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री रवि जैन मुंबई, वर्षा मुंदड़ा कोलकाता, पिंकी शर्मा मुंबई, डॉ अल्पना गंगवाल मालेगांव, गौरी वानखेड़े पुणे-हैदराबाद आदि का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

आयोजित समारोह में पुणे निवासी शशीकांत जी पेढवाल (अमिताभ बच्चन) ने फिल्म उद्योग के बादशाह बिग बी अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत फिल्मों के संवादों की हू-ब-हू प्रस्तुति देकर तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी।

बतादें कि कार्यदिवस होने के पश्चात भी सोमवार ३० मार्च को सैकड़ों की संख्या में उपस्थित पुणे निवासियों के द्वारा विभिन्न नाटिकाओं की प्रदर्शनी को देख भाव विभोर ही नहीं हुए, वरन विभिन्न भारतीय ऐतिहासिक उपलब्धियों को देख उपस्थित जनसमूह का ज्ञान बढ़ा, विशेषकर बच्चों की प्रस्तुति ने तो आश्चर्यचकित कर दिया, यहां यह बता देना उचित होगा कि विदेशों में भी बैठे भारतीयों के लिए युटुब व जूम के माध्यम से भारतीय संस्कृति का सम्मान बढ़ाने में भी संस्थान ने कोई कोताही नहीं बरती।

'राजस्थान दिवस' हम सबका है–यह किसी एक व्यक्ति या समूह तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे समाज का गौरव है।

यह दिन हर राजस्थानी के सम्मान, संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है। हम सभी का दायित्व है कि इसे मिलकर, एकजुट होकर और पूरे उत्साह के साथ मनाएं, समाज की खूबसूरती उसकी एकता में होती है, जब हम साथ चलते हैं, तो हर आयोजन अपने आप सफल और यादगार बन जाता है, इसलिए जरूरी है कि हम आपसी सहयोग, संवाद और समन्वय को प्राथमिकता दें।

➩ कभी-कभी समाज में कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो हर परिस्थिति में खुद को हर पक्ष से जोड़कर सजग और समझदारी से काम लेते हैं, ताकि हमारा ध्यान हमेशा समाज के हित और एकता पर बना रहे।

'राजस्थान स्थापना दिवस' जैसे सांस्कृतिक पर्व को हमें राजनीति या व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर रखकर देखना चाहिए, यह हमारी पहचान और संस्कारों का उत्सव है, जिसे सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

भविष्य में यदि एक से अधिक आयोजन हों, तो आपसी समझ और तालमेल के साथ समय और व्यवस्था तय की जा सकती है, ताकि हर कार्यक्रम सफल हो और समाज की एकता और मजबूत बने।

३० मार्च 'राजस्थान स्थापना दिवस' को अभूतपूर्व प्रस्तुत कार्यक्रम 'भारतीय संस्कृति का समागम' की सफलता का श्रेय कोहिनूर ग्रुप के संस्थापक कृष्ण कुमार जी गोयल, गंगा गोयल परिवार की संस्थापिका गीता जयप्रकाश गोयल, मित्तल उद्योग से विजय जी मित्तल, प्रसिद्ध समाजसेवी व उद्योगपति आर.वी.बुबना जी मुंबई, महाराष्ट्र गौसेवा विभाग के अध्यक्ष शेखर जी मूंदड़ा, एडवोकेट व प्रसिद्ध समाजसेवी अभय जी छाजेड़, जैन इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक सुरेश जी पुनमिया मुंबई, राजस्थान फाऊंडेशन मुंबई विभाग के अध्यक्ष गणपत जी कोठारी, सूर्यदत्ता इंस्टिट्यूट के संस्थापक डॉ संजय जी चौरडिया, महेश नागरी सहकारी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर व सीईओ मगराज जी राठी, महेश बैंक के जुगराज जी पुंगलिया, महेश्वरी प्रगति मंडल पुणे के अध्यक्ष महेश जी सोमानी के साथ पुणे जिला के विभिन्न जैन संप्रदाय से जुड़े समाजसेवी अशोक जी पगारिया, विमल ताई बाफना, प्रोफेसर सुरेखा कटारिया, दाधीच समाज से जेठमल जी दाधीच आदि आदि से मिले आर्थिक सहयोग ने यह प्रभावित किया कि अब महाराष्ट्र से उठी यह गूंज 'एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' व गौमाता बनें राष्ट्रमाता का आह्वान भारत से ही नहीं, विश्व में फैले भारतीयों का भी साथ मिलेगा, ऐसा विश्वास उपस्थित पुणे निवासियों को हो गया।

भव्यातिभव्य कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना भूतपूर्व योगदान देने वालों को मैं पुणे निवासी मंजू अग्रवाल 'अग्र माधवी महिला मंडल एवं श्री श्याम परिवार पुणे' की संस्थापिका निवेदन करती हूँ कि 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' व गौमाता बनें राष्ट्रमाता के अभियान को सफल बनाने में उपस्थित होकर अपना सहयोग व मार्गदर्शन दें ताकि विश्व के मानचित्र १४० करोड़ भारतीयों के देश का नाम जहां INDIA लिखा हुआ है, वहां पर केवल 'भारत' ही लिखा जाए और हम सबकी गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान भारत में मिल सके।

आइए, हम सभी मिलकर संकल्प लें कि आने वाले हर 'राजस्थान दिवस' को एकता, भाईचारे और गर्व के साथ मनाएंगे–ताकि हमारी पहचान और भी मजबूत हो।

शेष पृष्ठ १० पर...

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908

Follow for more updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

पृष्ठ ९ से ...

पुणे की निम्न प्रतिभाओं से 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम सफलतम हो पाया

निशा मुंदड़ा
सुहानी राठी
राजेश राठी
कीर्ति काबरा
लता भूतड़ा
शांता टावरी
संगीता लाहोटी
लीला मालू
निशा सोनी
दीपाली राठी
सोनल पोफलिया
अर्चना लखोटिया
सुशीला चांडक
सुनंदा धूत
शैला चांडक
रामेशवरी जाजू
नीता बंग

सुषमा राठी
सुनीता मित्तल
श्रेया कनोडिया
दीपा गोयल
श्वेता अग्रवाल
प्रीति गोयल
नीलम अग्रवाल
पूजा लुंकड
शीतल गांधी
सविता कर्नावट
मंगल खीवंसरा
अलका कोठारी
शिल्पा गांधी
डॉ.नयना भराडीया
पूजा लुंकड
शीतल गांधी
पिंकी अग्रवाल

दिप्ती भूतडा
प्रियंका पुंगलिया
संगीता चौधरी
सुखदेव चारण
जिवाराम चौधरी
प्रियंका गेहलोत
पिंकी परिहार
वर्षा भाटी
कल्पना हेडा
पूनम झंवर
कांचन हेडा
राखी गोयल
यशोदा राठी
पिंकी अग्रवाल
डिंपल हेडा
सीमा जोशी
उमा बाहेती

अंशुल मालपाणी
प्रतिभा बिर्ला
डॉ.पूर्णिमा काबरा
सोनल फोफलिया
स्मिता मालानी
पूजा तापडिया
दिप्ती भुतडा
पूज्यता काबरा
तेजल मालपाणी
मंजू अग्रवाल
खुशबु सोनी
पूनम अग्रवाल
रीता अग्रवाल
तन्वी केडिया
संगीता अग्रवाल
सुनीता बंसल
रोहिणी अग्रवाल

अर्चना अग्रवाल
कीर्ति अग्रवाल
आरती अग्रवाल
रेणुका अग्रवाल
चंदा वर्मा
सुनीता वर्मा
बिना वर्मा
सविता वर्मा
रेखा वर्मा
ओमकवरी वर्मा
प्रियंका पुगलिया
उमा बाहेती
नेहा जाजू
आदि- आदि को
'मैं भारत हूँ फाउंडेशन'
परिवार की तरफ से
कोटिशः धन्यवाद!

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम
की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

AMIC
G. L. Chamaria
Managing Director
MOB.: 98310 76344
AMIC Forging Ltd.
3A, Garstin Place 2nd Floor,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700001
Off.: 033-4066-8190
Email: amic@amicforgings.com,
glchamaria@rediffmail.com
भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम
की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां
Suraj Daga Gaurav Daga Anirudh Daga
VIJAYA GROUP
BLUE BERRY
tea~paanii
India's BIGGEST Instant Tea Manufacturer
BlueBerry Agro Products Pvt. Ltd.
A-3107, 31st Floor, Marathon Futurex, N.M Joshi Marg,
Lower Parel West, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400013
Mob.: 80802 37999 | email: info@blueberryagro.com

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतवर्ष' लिखवायें

महान था-महान है और रहेगा हमारा राजस्थान

राजपूत की आन-बान और शान का प्रतिक राजपूताना और मारवाड़ी का मरु प्रदेश, मारवाड़, शेखावाटी आदि क्षेत्र राजस्थान के नाम से पहचाना जाता है।

राजस्थान का नाम आते ही निर्जर मरुभूमि नायाब किले, अलंकृत घोड़े और ऊंट के दृश्य, मोरों के पंख, बन्दरों की उड़ान आदि आंखों के सामने सजीव हो जाते हैं। विश्व की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखला में से एक अरावली पहाड़ियाँ आज भी अपना सीना ताने खड़ी है। आज भी मरुभूमि धार का रेगिस्तान अपने रेतीले टीलों की दिन में गर्मी और ठंडी चांदनी रातों के लिए सम्पूर्ण विश्व में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। हर वर्ष लाखों पर्यटक कुदरत की इस अनमोल धरोहर को निहारने आते हैं। राजस्थान का टूरिज्म समृद्धी प्रदान करने वाला वो खजाना है जो राजकीय कोष में अपना महत्वपूर्ण योगदान करता है। सम्पूर्ण भारत में व्यवसाय करने वाला मारवाड़ी समाज मुम्बई, कोलकात्ता, चेन्नई, बंगलुरु या फिर किसी भी छोटे से शहर में अपनी कर्मठता और कुशल व्यापार संचालन के लिए पहचाना जाता है। 'राजस्थान' तब भी महान था, जब महाराणा प्रताप ने अपने प्रण के सामने उस महान अकबर को चित्तौड़ का किला जीतने की उतनी खुशी नहीं हुई तभी तो हल्दी घाटी युद्ध के बाद अकबर ने मेवाड़ को लेने के लिए अनेकों प्रयास किए, परन्तु हर बार असफलता ही हाथ लगी। महाराणा प्रताप का सपना साकार रहा और मेवाड़ भूमि (राणाओं की मातृभूमि) आजाद ही रही। गुलामी का कलंक राणाओं के स्वाभिमान के सामने हार मान गया। रणबांकुरों के कारनामों से भरा उस समय का इतिहास अपनी महानता की कहानी हर युग में कहता रहेगा। राजाओं का गढ़ और रजवाड़ों का यह प्रदेश १९५६ में राजस्थान बना और पंडित नेहरु के सपनों के भारत का सबसे लाडला प्रदेश बनकर उनके हृदय के करीब रहा। एक बार पंडित जवाहर लाल नेहरु ने मास्को में बोलते हुए कहा था कि मुझे अपने भारत का राजस्थान और पंजाब प्रांत बहुत प्रिय है, वहाँ की खुशहाली और वंश परम्परा में समृद्धी कायम रखने की ललक, हर एक के लिए अनुकरणीय है, जितने अच्छे ये प्रदेश हैं उतने ही अच्छे वहाँ के प्रशासक भी हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री **शेष पृष्ठ १२ पर...**

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की
अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

राजस्थान स्थापना दिवस ३० मार्च आपणों राजस्थान ३० मार्च, पुणे, महाराष्ट्र, २०२६

राष्ट्रमाता बनें निवेदकः मैं भारत हूँ फाउंडेशन

DHAATRI MINES & RESOURCES PVT LTD

Srijan Corporate Park Unit. 901, 9th Floor, Tower -1, Sector -V,
Landmark RDB Cinema, Kolkata, West Bengal, Bharat - 700091
Ph.: 033 - 4064 9353/3554 2208
Email: kejriwalmiiniing@gmail.com

पृष्ठ ११ से... मोहनलाल सुखाड़ीया और पंजाब में मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो, पंडित जी को बहुत प्रिय थे, इसका कारण केवल मात्र इन प्रदेशों की खुशहाली और प्रगति करने की लालसा उन्हें सर्वाधिक प्रिय थी। हर एक की विपदा या दुविधा की घड़ी में राजस्थान का सिपाही हो या किसान, सदैव तैयार रहता है। सीमा का प्रहरी बनकर राजस्थान का जवान, हर मोर्चे पर अपनी उस कामयाबी का पन्ना रच देता है, जो आने वाली पीढ़ी के लिए एक मिसाल बनकर इतिहास का हिस्सा बनता है। राजस्थान का क्षेत्रफल ३४२,२३९ वर्ग कि.मी है, इसकी सीमाएँ पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के साथ ही साथ काफी दूर तक पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा को स्पर्श करती है। राजस्थान का खुशहाल जिला श्री गंगानगर, जहाँ अपनी हरियाली और सीमा के पास स्थित खुशहाल नागरिकों की मानसिकता का अमर संदेश देता है वहीं पाकिस्तान की सीमा के आसपास का क्षेत्र निर्जन और विरान पड़ा नजर आता है। हिन्दुस्तान की सीमा पर जहाँ बिजली की कतारबद्ध रोशनी जगमगाती है वहीं पाकिस्तान के क्षेत्र में अंधेरा अपनी काली कहानी सुनाता है। यह राजस्थान की सीमाओं का सुरक्षित कवच का परिणाम है कि पाकिस्तान अपने तीन युद्धों में कभी राजस्थान सीमा पर युद्ध करने का साहस नहीं जुटा पाया। राजस्थान का बोर्डर सदैव सुरक्षित

ही रहा है। हिंदी की करीबी वाली बोलियाँ इस प्रदेश में बोली जाती हैं। कहीं मारवाड़ी, कहीं मेवाड़ी तो कहीं हड़ोती आदि भाषाओं में लोग बतियाते हैं। विश्व के किसी भी कोने में पहुँचकर राजस्थान का राजस्थानी अपनी, भाषा, रहन-सहन और आचरण से अलग ही पहचान बना लेता है। पढ़ा-लिखा राजस्थानी अपने राजस्थान प्रांत से जुड़े होने का सदैव मान रखता है और गौरव की नई बुलंदिया बनाता जाता है, तभी तो हम कहते हैं 'हमारा राजस्थान' महान था... है और सदा रहेगा। महान प्रदेश की माटी के महान सपूतों को हमारा बारम्बार प्रणाम, जिन्होंने मान-सम्मान की रक्षा की। राजस्थान के परमाणु बीजली घर, जहाँ खुशहाली का संदेश दे रहे हैं वही भारत के परमाणु परिक्षण का केंद्र पोखरण अपने शांति प्रयासों की कहानी कहता है, सम्पूर्ण विश्व जानता है कि हिरोशिमा और नागाशाह की तबाही के सामने भारत के राजस्थान प्रांत में स्थित क्षेत्र, दो-दो परमाणु धमाकों के बाद, आज भी सुरक्षित है और रहेगा।

यही है हमारे राजस्थान की महानता, क्योंकि राजस्थान महान था-महान है-महान रहेगा।

राजस्थान दिवस पर विशेष:

➪ उद्योगपतियों की सूची में आज भी शिखर पर राजस्थानी ही हैं। बात लक्ष्मीनिवास मित्तल की हो या फिर बजाज, बिड़ला, बांगड़, मोदी, धूत, जैन की, हर जगह राजस्थानियों ने अपनी श्रेष्ठता के झंडे गाड़े हैं।

➪ राजस्थान विदेशी सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केन्द्र है, यहाँ पर्यटन नित-नई ऊचाईयों को छू रहा है, यहां की स्थापत्य कला की बात हो या फिर संस्कृति, महल हवेलियों की, हर कोई एक बार यहां आकर दुबारा आने की इच्छा रखता है।

➪ फिल्म टाइटैनिक की हीरोइन कैट विस्लेंट हों या फिर हॉलीवुड की धड़कन, एंजेलिना जोली जैसी विश्वविख्यात सेलेब्रिटीज अगर राजस्थान से अपने गहने खरीदने लगे तो सोच सकते हैं कि बाकि लोगों को राजस्थान की ज्वैलरी कितनी आकर्षित करेगी।

➪ मारवाडी घोड़ों की बात हो या फिर नागौर के तंदुरुस्त और विश्वविख्यात बैलों की, पशुधन में राजस्थान का कभी कोई शानी नहीं रहा, तभी तो यहां के पशु मेलों का आकर्षण विदेशियों को भी मरुधरा तक खींच लाता है, ऊंट तो राजस्थान की विशेष पहचान रहा है।

➪ राजस्थान को खनिजों का अजायबघर भी कहा जाता है, दुनियाँ भर में मशहूर संगमरमर हो या फिर तांबा, जस्ता और तेल हर महकमें में राजस्थान ने अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

➪ राजस्थान की हस्तशिल्प कला को देखकर तो हर कोई चकित रह जाता है। रत्न, आभूषणों में राज्य का खास स्थान है। लाल बंधेज की चुनरी के बगैर दुल्हन का श्रृंगार अधूरा है, मोजड़ी और साफे के बगैर दुल्हा भी नहीं जंचता, तो है न 'राजस्थान' की विश्व में आन-बान व शान, तभी तो विश्व में है 'राजस्थान' की विशेष पहचान।

-मैं भारत हूँ

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

Khemchand Kankriya
Mob: 9480697272
Matruchhaya
KANKRIYA GROUP
Finance, Chemicals, Plastic Packaging (Manufacturing and import), Real estate and Investments
No. 19, VP Colony, 3rd Cross Street, Ayanavaram, Chennai, Tamil Nadu, Bharat - 600023
No. 1276, 14th Cross, 6th Main, Indiranagar II Stage, Bengaluru, Karnataka, Bharat - 560038.
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

ब्यावर जिले में है

जैतारण

पग पग जनमें सुरमा, रक्त-पियोडो रण
जैती रे बलिदान सू, बणियों 'जैतारण'

जैतारण: (राजस्थान के ब्यावर जिले में स्थित, पूर्व में पाली) का इतिहास अपनी वीरता और रणनीतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस शहर की स्थापना जैती गुर्जरी ने की थी, विक्रम संवत १३५४ में जैती की गायों को बचाने के लिए हुए युद्ध के बाद इस नगर का नाम 'जैतारण' पड़ा। प्रारंभ में यहाँ भाकरसिंह की पीढ़ियों का राज्य रहा, जिसके बाद जोधपुर के राव ऊदाजी (राव सूजाजी के पुत्र) ने इसे जीतकर १५०५ ईस्वी में यहाँ राठौड़ शासन स्थापित किया। गिरी-सुमेल का युद्ध (१५४४) 'जैतारण' के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटना है, यहाँ मारवाड़ के राजा राव मालदेव के वीर सेनापतियों, जैता और कूपा ने अपनी छोटी सी सेना (लगभग ८,०००–१२,००० सैनिक) के साथ दिल्ली के सुल्तान शेरशाह सूरी की ८०,००० की विशाल सेना का मुकाबला किया। शेरशाह सूरी का प्रसिद्ध कथन के अनुसार राजपूतों के अदम्य साहस को देखकर शेरशाह सूरी ने युद्ध जीतने के बाद कहा था, 'खुदा का शुक्र है कि किसी तरह जीत हासिल हो गई, वरना मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए भारत की बादशाहत खो देता।' जैतारण के पास स्थित 'कुड़की' ग्राम भक्त शिरोमणि मीराबाई का जन्मस्थान माना जाता है, इसके अलावा यहाँ का भंवाला माता मंदिर और गायत्री मंदिर भी धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण हैं, 'जैतारण' आज अपने कृषि उत्पादों और ऐतिहासिक दुर्गों के लिए भी जाना जाता है।

जैतारण नगरपालिका

राजस्थान के ब्यावर जिले (पूर्व में पाली जिला) में स्थित एक स्थानीय शहरी निकाय है, यह शहर के प्रशासनिक और विकास कार्यों के लिए जिम्मेदार है। 'जैतारण' नगर पालिका परिषद के रूप में भी जाना जाता है, जो स्थानीय नागरिकों को बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करती है। 'जैतारण' नगर पालिका को २० वार्डों में विभाजित किया गया है, जहाँ हर ५ साल में चुनाव होते हैं। नगरपालिका का कार्य सड़क निर्माण, कचरा प्रबंधन, स्ट्रीट लाइट, और जलापूर्ति के साथ जन्म-मृत्यु का पंजीकरण और विवाह प्रमाण पत्र जारी करना होता है।

जैतारण (पाली/ब्यावर) क्षेत्र की प्रमुख ग्राम पंचायतों की सूची

नवीन प्रशासनिक पुनर्गठन के बाद, जैतारण पंचायत समिति में अब 31 ग्राम पंचायतें शामिल हैं:

आनंदपुर कालू, आगेवा, असरलाई, बलाड़ा, बलुंदा, बंजाकुड़ी, बैर कल, भुम्बालिया, बिरोल, चावंडिया, देवरिया, डिगरना, फालका, गर्निया, घोड़ावड़, कणैचा रावतान, कावलिया कलां, केकिन्द्रा, कुड़की, लांबिया, लोटोती मोहराई, निमाज, निम्बोल, पटवा, पिपलिया खुर्द, फूलमाल, रबड़ियावास, रास, टूकड़ा

जैतारण नगर में मुख्य मोहल्ले:

पोकरणा की पोल, बम्बों का बास, विमलनाथ जी की गली, मोदियों की गली, सिगियों का बास, त्रिपोलिया की पोल, हवेली का बास, लखोटियों का चौक, सवों का बास, ब्राह्मणों का बास, चौधरियों की पोल, भंडारियों का बास, मोची वाड़ा, मुसलमानों का बड़ा बास एवं छोटा बास, डाकेतियों का मोहल्ला, हरिजनों का मोहल्ला, लक्खारों का बास आदि हैं।

'जैतारण' नगर में लूले-लंगड़े जानवरों के लिये गऊशाला एवं अमर बकरों के लिये बकरा-शाला भी है।

यातायत की दृष्टि से यह राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित है, यहाँ से राजकीय बसें हरिद्वार, दिल्ली, जयपुर, अजमेर, जोधपुर, फालना, सिरोही, अलवर, भरतपुर, मेड़ता, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर आदि कई बड़े शहरों **शेष पृष्ठ १४ पर...**

पृष्ठ १३ से... के लिये उपलब्ध हैं। रात्रि में प्राइवेट बसें हर आधा घन्टे बाद जोधपुर से दिल्ली के लिये जैतारण रुक कर जाती है। प्राइवेट बसें 'जैतारण' नगर के आस-पास चारों दिशाओं में बसे गाँवों के लिये उपलब्ध है, यहाँ प्राइवेट टैक्सियों की भरमार है शीघ्र ही यह नगर रेल मार्ग द्वारा पिपाड़ से ब्यावर तक जुड़ने वाला है।

व्यवसायिक दृष्टि से:

यह नगर जीरा, राई, मूंग, मोठ, अरण्डी का व्यापारिक केन्द्र है। कपड़ा, किराना, मनिहारी की दुकानों के अलावा सोने चाँदी की लगभग ४० से ज्यादा

कृषि उपजमंडी

दुकानें है। नगर की पगरकियों बहुत मजबूत एवं प्रसिद्ध है, जिसका अलग से बाजार मोचीवाड़ा है, जिसमें करीबन ६० दुकाने हैं। यहाँ पर कृषि उपजमंडी, क्रय-विक्रय सहकारी समिति भारतीय खाद्य निगम के गोदाम एवं कार्यालय भी हैं। यहाँ व्यवसाय, कृषि एवं बचत कार्यों के विकास के लिये स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, दी पाली सेंट्रल को ऑपरेटिव बैंक, मारवाड़ ग्रामीण बैंक, भूमि विकास बैंक आदि सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, यहाँ स्थानीय निवासी व्यापार करते हैं, वहीं कुछ लोग विशेषकर जैन समुदाय वाले दक्षिण भारत एवं पूर्वी भारत के कई स्थानों पर व्यापाररत हैं।

बड़े उद्योगों में:

बड़े उद्योग

जैतारण व जैतारण के आस-पास मिनी सीमेंट प्लान्ट, केमीकल प्लान्ट एवं पत्थर से चूना बनाने के भट्टे उपलब्ध है।

लघु उद्योगों में:

सन्त मुनिराजों के काम आने वाले पात्र एवं त्रिपणियां यहाँ बनती हैं, द्विफसली होने से कृषक डीजल इन्जन, विद्युत पम्पसेट, ट्रेक्टर, मोटर साइकलें, टैक्सियों, बसों, ट्रकों की बहुतायत से कई रिपेयरिंग वर्कशॉप, पार्टस् बनाने के कारखाने, खेती के औजार एवं ट्रेक्टरों की ट्रालियाँ बनाने के उद्योग खुल गये हैं, यहाँ दाल मिल, तेलमिल, बर्फ फैक्ट्री, हैडलूम फैक्ट्री आदि कार्यरत हैं, यहाँ खेरादी मुसलमान जाति के कारीगर लकड़ी के खिलौने, चकला, बेलन, लोटा, गिलास, हाथी दाँत की चूड़ियां आदि दस्तकारी की चीजें बनाने में निपुण हैं।

शिक्षा की दृष्टि से:

सेठ सीताराम रामचंद्र लखोटिया राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जैतारण

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, जैतारण (शहर)

मरुधर सीनियर सेकेंडरी विद्यापीठ

इस नगर में बलुन्दा निवासी सेठ छगनमल जी द्वारा निर्मित सेठ शम्भूमल गंगाराम जैन स्कूल सदर बाजार 'जैतारण' में हैं, जहाँ अभी महाजनी का प्रशिक्षण दिया जाता है। उच्च शिक्षा हेतु राजकीय सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय सेठ सीताराम रामचन्द लखोटिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सेठ मोहनलाल फुटरीबाई रोटरी राजकीय प्राथमिक **शेष पृष्ठ १५ पर...**

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

Mittal SHIRTINGS EXCLUSIVE COLLECTION

MITTAL POLYWEAVE PVT. LTD.

MANUFACTURERS OF :-

EXCLUSIVE SHIRTING FABRIC

Mahesh Mittal - 9324073670

Mukesh Mittal - 9820498583

Amit Mittal - 9833544747

SALES OFFICE -147. GAIWADI SADAN, ROOM NO.52, 2nd FLOOR, DR. VIEGAS STREET, KALBADEVI, MUMBAI - 400002, PHONE:- +91 7666968816

PACKING UNIT -1 -F BLDG, 2ND FLOOR, SWAGAT COMPLEX, MUNISURAT COMPOUND, ANJURPHATA, BHIWANDI PHONE:- +91 8888809357

mittalpolyweave@yahoo.com www.mittalpoly.com

पृष्ठ १४ से... विद्यालय, शा. चम्पालाल कटारिया रोटरी शिशुशाला आदि राजकीय एवं प्राइवेट कई प्राथमिक विद्यालय हैं। छात्रावास में एस.एस. मरुधर केशरी जैन छात्रावास, सीरवी समाज छात्रावास, जाट बोर्डिंग, वैष्णव समाज छात्रावास, राजपूत बोर्डिंग, समाज कल्याण विभाग छात्रावास आदि कई समाजों के छात्रावास हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जैतारण

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जैतारण

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (Government ITI), जैतारण, पाली जिले में तकनीकी और कौशल विकास शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

स्थापना १९९६ हुयी है, यह संस्थान ग्राम पाटुस, मेड़ता सिटी रोड, जैतारण, पाली में स्थित है। अधिक जानकारी के लिए आप राजस्थान सरकार के प्रशिक्षण निदेशालय (DTE) की वेबसाइट देख सकते हैं। यहाँ NCVT (National Council for Vocational Training) के अंतर्गत विभिन्न तकनीकी कोर्स कराए जाते हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से:

स्वास्थ्य की दृष्टि

आयुर्वेदिक औषधालय

श्री मरुधर केसरी जैन राजकीय रेफर चिकित्सालय रोटरी संस्थान, सेठ रतनचन्द कन्हैयालाल रांका नेत्र चिकित्सालय, सिंघवी जसराज कनकमल चेनराज रोटरी राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय पशु चिकित्सालय एवं कई प्राइवेट अस्पताल भी हैं।

राजकीय कार्यालय:

राजकीय कार्यालय के अन्तर्गत यह नगर 'जैतारण' रायपुर उपखण्ड का मुख्यालय है, अतः विभिन्न प्रकार के राजकीय कार्यालय जन-सेवा हेतु कार्यरत हैं। यहाँ उपजिलाधीश, मुन्सिफ न्यायालय, तहसील पंचायत समिति, डी. पी. ए. पी. (लघु सिंचाई), सहायक अभियन्ता, जलदाय व **शेष पृष्ठ १६ पर...**

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

Pannalal Dugar (B.Com-LLB)
Son of
Late Surajmal Dugar
Smt. Sridevi Dugar
Mob: 9324104324

Native Place - Bidasar, Dist. Churu, Rajasthan

Paper Pack Group Of Industries

14-A, Paper Box Estate, Mahakali Road,
Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400093

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

अरूण लाठ
Mob. 9845017702

न्यू रेन पेपर प्राइवेट लिमिटेड

सर्वे नं. ५७, पट्टणगेरे रोड, विद्या निकेतन,
बंगलुरू, कर्नाटक, भारत - ५६००५९
E-Mail: nikhil@fastkraft.co.in

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए, INDIA नहीं
एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ १५ से... विद्युत विभाग, पुलिस उपअधीक्षक व पुलिस थाना मय बेतार

तहसील कार्यालय

पुलिस थाना

डाकघर

के तार की सुविधा सहित उपलब्ध हैं। डाकघर एवं टेलीफोन एक्सचेंज भी है।

दर्शनीय तीर्थस्थल के दृष्टिकोण से:

पावनधाम जो स्वर्गीय मरुधर केशरी मिश्रीमल जी महाराज साहब का मोक्षस्थल है, जो भारतवर्ष में प्रसिद्ध है, यहीं ९२ फीट ऊँचा कीर्तिस्तभ है, यह राम स्नेही सम्प्रदाय के सन्त दरियाव जी महाराज की जन्मस्थली दरियावजी महाराज का पाट हैं। तीन प्राचीन प्रसिद्ध जैन मन्दिर, दादाजी का देवरा विमलनाथ जी का मन्दिर, केसरिया जी का मन्दिर है। ऐतिहासिक गोपालद्वारा, मोहनलाल जी का मन्दिर, रघुनाथ द्वारा, चारभुजा का मन्दिर, शिवचौकी, शीतलामाता का मन्दिर, गीता भवन, रामद्वारा एवं जैन धर्म अनुयायी श्री शान्तिलाल धरमीचन्द चौधरी द्वारा निर्मित रामदेव जी का मन्दिर इसी नगर में है।

जैतारण बाजार (राजस्थान के पाली/ब्यावर जिले में स्थित) अपनी ऐतिहासिक विरासत और राजस्थानी स्वाद के लिए जाना जाता है।

प्रसिद्ध स्वाद: यहाँ की मक्खनिया लस्सी और मिर्ची बड़ा पूरे क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध है।

सदर बाजार: यह जैतारण का मुख्य व्यापारिक केंद्र है, यहाँ दिवाली, धनतेरस जैसे त्योहारों पर भारी रौनक रहती है और ज्वेलरी, बर्तन व उपहारों की विशेष खरीदारी की जाती है, यह बाजार जोधपुर-अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जो इसे व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत को केवल BHARAT ही बोलें
INDIA नहीं
जय भारत!

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

मोहनलाल सूर्यप्रकाश,
मनोज कुमार, अरिहंत,
पुण्यवीर , मीहीत नाबरिया

जैतारण - सिकन्दराबाद

S. P. Chemicals

#318, 3rd Floor, Mittal Chambers, 2-2-51, M. G. Road, Secunderabad, Telangana, Bharat-500003,
Mob: 98480 35120 / 92 46247421, Phone: +91-40-27710751, E-mail: splifes@gmail.com

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतवर्ष' लिखवायें

जैतारण में जैन समाज व मंदिर

जैतारण (राजस्थान) में जैन समाज एक सक्रिय धार्मिक समुदाय है, जो अपनी सांस्कृतिक विरासतों, मन्दिरों और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध है, यह समाज दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं का पालन करता है, यहाँ के धार्मिक परिदृश्य में 'भक्तामर तीर्थ' विशेष महत्व रखता है, जो सिद्धचक्र यंत्र की आराधना और दर्शन के लिए भक्तों को आकर्षित करता है।

धार्मिक स्थान: क्षेत्र में प्राचीन जिनालय और मन्दिर हैं, जहाँ सिद्धचक्र यंत्र की आराधना की जाती है, जो आठों कर्मों के नाश और मोक्ष के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, समाज के लोग जैन धर्म के सिद्धांतों (अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य) का पालन करते हैं, यहाँ विभिन्न धार्मिक आयोजनों और मन्दिर विधानों में समाज बढ़-चढ़कर भाग लेता है।

श्री मरुधर केसरी पावनधाम:

श्री मरुधर केसरी पावनधाम

जैतारण (राजस्थान) स्थित श्री मरुधर केसरी पावनधाम एक प्रसिद्ध जैन तीर्थ और स्मारक है, यह स्थान महान जैन संत मरुधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज सा. और शेर-ए-राजस्थान रूप मुनि जी महाराज को समर्पित है। यहाँ मिश्रीमल जी महाराज और रूपमुनि महाराज के समाधि स्थल एक साथ स्थित हैं, जो इसे देश का एक अनूठा स्मारक बनाता है।

रूपरजत पावनधाम:

हाल ही में यहाँ रूपरजत पावनधाम का भव्य निर्माण किया गया है, जिसकी कलश स्थापना और उद्घाटन जनवरी २०२६ में किया गया, यह परिसर अपनी सुंदर वास्तुकला, नक्काशी और शांत आध्यात्मिक वातावरण के लिए जाना जाता है, यहाँ एक सुंदर उद्यान भी विकसित किया गया है, यहाँ प्रतिवर्ष जैन समाज के हजारों भक्त दर्शन के लिए आते हैं, विशेषकर संतों के पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर यहाँ यात्रियों के लिए वातानुकूलित कमरे और भोजनशाला की अच्छी सुविधा उपलब्ध है। मंदिर परिसर में व्हीलचेयर से आने-जाने के लिए रैंप, पार्किंग और शौचालय की विशेष सुविधा है, परिसर में वाहन पार्किंग और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था है, यह स्थल न केवल जैन धर्मावलंबियों के लिए बल्कि शांति और आध्यात्मिक अनुभव चाहने वाले पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख केंद्र है।

श्री रूप रजत पावन धाम

जैतारण (राजस्थान) स्थित श्री रूप रजत पावन धाम, **शेष पृष्ठ १८ पर...**

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम 'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

Dilip Nabariya
Mob: 9841061839

MARUDHAR MOTORS

114, Kamaraj salai, chinna Sekadu.
Manali Chenna, Tamil Nadu, Bharat - 600068

With best compliment

KAMAL PERIWAL

Mumbai

Kolkata

Email: Kamal@architectm.com

पृष्ठ १७ से... मरुधर केसरी पावन धाम परिसर का ही एक अभिन्न और भव्य हिस्सा है, यह विशेष रूप से जैन संतों की स्मृति और भक्ति को समर्पित एक आधुनिक आध्यात्मिक केंद्र है, यह धाम मुख्य रूप से जैन संत शेर-ए-राजस्थान रूप मुनि जी महाराज (जिन्हें 'रूप रजत' गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है) की स्मृति में बनाया गया है, इस भव्य स्मारक का निर्माण हाल के वर्षों में पूरा हुआ है। जनवरी २०२२ में यहाँ मरुधर केसरी महाराज के 38वीं पुण्य स्मृति दिवस पर भव्य कलश स्थापना और विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, यह धाम अपनी भव्यता और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ संतों के समाधि स्थल, सुंदर नक्काशीदार मंदिर और आध्यात्मिक शांति के लिए ध्यान केंद्र उपलब्ध हैं। भक्तों के लिए यहाँ आधुनिक धर्मशाला (रुकने के स्थान), भोजनशाला और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पार्क विकसित किए गए हैं, यह स्थल पूरी तरह से व्हीलचेयर अनुकूल है।

यह स्थान केवल एक मंदिर नहीं बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है, यहाँ समय-समय पर चिकित्सा शिविर और जरूरतमंदों के लिए सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, संतों की स्मृति में बना यह धाम राजस्थान के प्रमुख जैन तीर्थों में अपनी अनूठी पहचान बना चुका है।

तीन करोड़ से बनकर तैयार पावनधाम: 'जैतारण' में देश का ऐसा पहला स्मृति स्थल, जहां दो जैन संत मिश्रीमल व रूपमुनि म.सा. का समाधि स्थल एक साथ लोकमान्य संत रूपमुनि महाराज की याद में बने रूपरजत पावनधाम का उद्घाटन २२ अप्रैल को नगर में जैन धर्म के दो महापुरुषों की समाधि स्थल है, यहां पर मरुधर केसरी पावनधाम के बाद लोकमान्य संत रूपमुनि महाराज की याद में रूपरजत पावनधाम बनाया है, तखतराज लोढ़ा, प्रदीप डागा व लूणकरण जैन के अनुसार देश में ऐसा पहला स्मृति, जहां दो महान जैन विभूतियों के समाधि स्थल के साथ बने हैं, इसका निर्माण श्री मरुधर केसरी स्थानक जैन यादगार समिति ट्रस्ट की देखरेख में किया गया है। 'जैतारण' में दो महान जैन विभूतियों का स्मृति स्थल वरिष्ठ प्रवर्तक मिश्रीमल म.सा. का मरुधर केसरी पावन धाम वरिष्ठ प्रवर्तक रूपमुनि म.सा का रूपरजत पावनधाम है।

दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति तीर्थ

दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति तीर्थ

'जैतारण' क्षेत्र में दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति तीर्थ (जिसे दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति तीर्थ क्षेत्र भी कहा जाता है) एक प्रमुख धार्मिक स्थल है यह जैतारण के पास समोखी खेड़ा (रामगढ़) में स्थित है, यह तीर्थ राजस्थान के पाली जिले में 'जैतारण' के निकट समोखी खेड़ा, रामगढ़ में स्थित है, जैसा कि नाम से स्पष्ट है, यहाँ 'त्रिमूर्ति' (तीन प्रतिमाओं) का विशेष महत्व है, जो दिगम्बर जैन परंपरा के अनुसार स्थापित हैं, यह क्षेत्र दिगम्बर जैन समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण 'अतिशय क्षेत्र' या श्रद्धा का केंद्र माना जाता है, यहाँ का शांत और आध्यात्मिक वातावरण भक्तों को आकर्षित करता है, 'जैतारण' शहर से इसकी दूरी लगभग २८-३० किलोमीटर है, यहाँ आने वाले यात्रियों के लिए ठहरने और दर्शन की सामान्य व्यवस्था उपलब्ध है

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

Mahendra Bajaj
Mob: 9423040081

avonplast®
SINCE 1965
PIPES & FITTINGS
Avon Plastic Industries Pvt. Ltd.
431/2/1, Bajaj Sadan, Mahalaxmi park, Ring Road,
Near Vairan Bazar, Shelke Mala, Ichalkaranji,
Kolhapur, Maharashtra, Bharat-416115

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

CPJAIN GROUP

S.CHANDRAPRAKASH
SUNILRAJ DINESH TALEDA
SRI MISHRI PRODUCTIONS
SRI MISHRI PROMOTERS
MISHRI MOVIES
NO.21/9, CENOTOPH ROAD, 2ND LANE,
ALWARPET, CHENNAI, TAMIL NADU,
BHARAT - 600 018, PH: 044-24359141/42

जैतारण के मंदिर व सामाजिक संस्थाएं

श्रीराम मंदिर

जैतारण का श्रीराम मंदिर, जो स्थानीय रूप से राम चौक के नाम से प्रसिद्ध है,

शहर के सबसे महत्वपूर्ण और जीवंत धार्मिक स्थलों में से एक है, यह मंदिर न केवल पूजा का स्थान है, बल्कि 'जैतारण' की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र भी है, यह मंदिर भगवान श्री राम को समर्पित है, यहाँ भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी की अत्यंत आकर्षक मूर्तियाँ स्थापित हैं, 'जैतारण' के राम चौक में श्रीराम जी की मूर्ति की स्थापना की वर्षगांठ प्रतिवर्ष २२ जनवरी को मनाई जाती है, जनवरी २०२६ में इसकी हालिया वर्षगांठ बड़े उत्साह के साथ मनाई है, यहाँ राम जन्मोत्सव (राम नवमी) पर बहुत भव्य कार्यक्रम और शोभायात्रा आयोजित की जाती है। हाल के वर्षों में, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित कई विशिष्ट हस्तियों ने यहाँ दर्शन और कन्या पूजन जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया है।

२१ फीट की भव्य प्रतिमा: मंदिर के पास ही श्रीराम की एक २१ फीट ऊँची विशाल प्रतिमा भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जो 'जैतारण' की नई धार्मिक पहचान के रूप में उभरी है। 'राम चौक' जैतारण का एक ऐसा स्थान है जहाँ सभी महत्वपूर्ण धार्मिक जुलूस और उत्सव आकर मिलते हैं, यहाँ नियमित रूप से आरती और सत्संग का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय निवासी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं।

सांवरिया मंदिर

'जैतारण' क्षेत्र में स्थित सांवरिया जी मंदिर भगवान श्री कृष्ण को समर्पित एक शांत और श्रद्धेय स्थल है, यह मंदिर मुख्य रूप से स्थानीय ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की आस्था का केंद्र है। यह मंदिर जैतारण-बिरोल मार्ग पर, बिरोल गाँव के पास, सरकारी स्कूल के पीछे स्थित है। वर्तमान में यह क्षेत्र राजस्थान के नवनिर्मित ब्यावर जिले के अंतर्गत आता है, मंदिर परिसर में दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर सुलभ प्रवेश और पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। 'सांवरिया' भगवान कृष्ण का ही एक स्वरूप माना जाता है, यहाँ भक्त अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना लेकर आते हैं, अक्सर लोग इस मंदिर को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में स्थित प्रसिद्ध सांवलिया सेठ मंदिर (मंडफिया) से जोड़कर देखते हैं, हालांकि दोनों ही भगवान कृष्ण के स्वरूप हैं, लेकिन 'जैतारण' का सांवरिया जी मंदिर एक स्थानीय मंदिर है, जबकि चित्तौड़गढ़ का सांवलिया धाम विश्वस्तर पर प्रसिद्ध एक बहुत बड़ा तीर्थ स्थल है।

श्री शीतलामाता का मन्दिर

शीतला माता का मन्दिर रेत के उँचे टीले पर शोभायमान है तथा पास में ही सखलेचा एवं पटवा गोत्त की सतियों के चबूतरे हैं एवं चबूतरे पर चरण पादुकाएं विद्यमान हैं। यहाँ प्रतिवर्ष चेत्र शुक्ला अष्टमी को मेला लगता है। माता जी के मन्दिर से कुछ ही दूरी पर जगन्नाथ जी की बावड़ी है जो मन्दिर से साफ-साफ दिखलाई देती है एवं पास में ही पीर की नाड़ी भी है। **शेष पृष्ठ २२ पर...**

पुणे मेंआयोजित
भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की
अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

BANWARILAL GOENKA

Mob: 9833133025

601, Parijat, 10th Road, JVPD Scheme,
Vile Parle (W), Mumbai, Maharashtra,
Bharat- 400049

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

जैतारण तहसील के प्रमुख स्थल

गिरी-सुमेल का युद्ध स्थल:

गिरी-सुमेल का युद्ध स्थल जैतारण (ब्यावर) के पास गिरी और सुमेल गांवों के बीच स्थित है। यह स्थान 1544 ई. में हुए उस ऐतिहासिक युद्ध का गवाह है जिसने दिल्ली सल्तनत की नींव हिला दी थी।

ऐतिहासिक युद्ध (1544 ई.): यह युद्ध मारवाड़ के शासक राव मालदेव और दिल्ली के अफगान शासक शेरशाह सूरी के बीच लड़ा गया था।

जैता और कूंपा का बलिदान: मालदेव के वीर सेनापति जैता और कूंपा ने अपनी मुट्ठी भर सेना के साथ शेरशाह सूरी की विशाल फौज का बहादुरी से मुकाबला किया और वीरगति प्राप्त की।

शेरशाह सूरी का प्रसिद्ध कथन: राजपूतों के अदम्य साहस को देखकर शेरशाह सूरी ने यहीं कहा था 'मैं मुट्ठी भर बाजरे के लिए भारत की सल्तनत खो देता'।

रणस्थली और स्मारक: आज भी यहाँ उन वीरों की याद में स्मारक और रणस्थली बनी हुई है, जहाँ हर साल 5 जनवरी को बलिदान दिवस मनाया जाता है।

रणनीतिक महत्व: यह क्षेत्र अजमेर और जोधपुर के बीच स्थित होने के कारण उस समय सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था।

लांबिया झील

लांबिया झील, जैतारण (ब्यावर जिला, राजस्थान) के पास स्थित एक शांत और मनोरम जल निकाय है, यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांतिपूर्ण वातावरण के लिए स्थानीय लोगों के बीच एक लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट और विश्राम केंद्र के रूप में जाना जाता है। यह झील हरे-भरे परिदृश्य से घिरी हुई है, जो इसे शहरी कोलाहल से दूर एक सुकून भरा स्थान बनाती है।

लांबिया गाँव का ऐतिहासिक महत्व

उडावत राठौड़: लांबिया ऐतिहासिक रूप से मारवाड़ के उडावत राठौड़ों का एक प्रमुख ठिकाना रहा है। यह जैतारण से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

लंबिया किला

जैतारण तहसील के लंबिया गाँव में स्थित लंबिया किला (Lambiya Fort) एक ऐतिहासिक स्थल है जो मारवाड़ के उदावत राठौड़ों के **शेष पृष्ठ २१ पर...**

पृष्ठ २० से... प्रमुख ठिकानों में से एक रहा है।

किले की प्रमुख विशेषताएं और इतिहास

उदावत राजवंश का ठिकाना: जैतारण क्षेत्र पर राव जोधा के प्रपौत्र राव ऊदा के वंशजों (उदावत) का शासन था, लंबिया, रायपुर और निमाज की तरह ही उदावतों का एक महत्वपूर्ण ठिकाना रहा है।

ऐतिहासिक महत्व: यह किला मारवाड़ रियासत के गौरवशाली इतिहास और स्थापत्य कला का प्रतीक है, पुराने समय में यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था, वर्तमान में किले का कुछ हिस्सा पर्यटन के लिए खुला है जहाँ पुरानी कलाकृतियां और दृश्य देखे जा सकते हैं। किले के पास ही लंबिया झील (Lambiya Lake) स्थित है, जो अपनी शांति और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जानी जाती है।

इंदिरा गांधी सार्वजनिक पार्क

जैतारण का इन्दिरा गांधी शांति (सार्वजनिक) पार्क शहर के मध्य में स्थित एक प्रमुख मनोरंजक स्थल है। यह स्थानीय निवासियों और पर्यटकों के लिए शांति और ताजी हवा का एक बेहतरीन केंद्र है।

गतिविधियाँ: यह पार्क सुबह की सैर, जॉगिंग और योग के लिए बहुत लोकप्रिय है, यहाँ बच्चों के लिए विशेष प्ले एरिया है जिसमें झूले और फिसलपट्टी (Slides) लगी हुई हैं।

खेल सुविधाएं: खेल प्रेमियों के लिए यहाँ बास्केटबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट और वॉलीबॉल कोर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सुविधाएं: पार्क में पिकनिक टेबल, सार्वजनिक शौचालय, साइकिल ट्रैक और स्केटबोर्डिंग क्षेत्र की सुविधा भी है।

वातावरण: पार्क अपने हरे-भरे परिदृश्य और शांत माहौल के लिए जाना जाता है, जो शहर की भागदौड़ से दूर एक सुकून भरा अनुभव प्रदान करता है।

कुड़की

'कुड़की' राजस्थान का एक ऐतिहासिक गाँव है, जो मुख्य रूप से कृष्ण भक्त

मीराबाई के जन्मस्थान के रूप में प्रसिद्ध है, यह राजस्थान के नवनिर्मित ब्यावर जिले (पूर्व में पाली जिला) की जैतारण तहसील में स्थित है, यह नागौर जिले की सीमा के पास है, मीराबाई का जन्म यहाँ 1498 ईस्वी के आसपास एक राठौड़ राजपूत परिवार में हुआ था, उनके पिता राव रतन सिंह, कुड़की के शासक थे, यहाँ मीराबाई द्वारा बनवाया गया एक प्राचीन कृष्ण मंदिर और नीलकंठ महादेव मंदिर स्थित है।

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम
की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

D. P. Mundhra
Mob: 9840555344
Clear-Pack Containers
A-8, Mogappair West Industrial Estate,
2nd Street, Reddipalayan Road,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat-600037
Email : clearpet@hotmail.com
Website: www.mpetcontainer.com

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

Anil kumar Lokesh Kumar
Jiyansh Jain Bohra
Mob: 9444852546
S.DEVRAJ JAIN & SONS
D.ASHOK KUMAR, DILIP KUMAR, ANIL KUMAR,
RAJESH KUMAR, Dr.LALITH KUMAR NIMBAJ (RAJ)
S.Devraj Jain Pawn Broker
A.Ugma Bai Pawn Broker
L.Jyothi Jain Pawn Broker
New No. 14, Old No.55, S.R.P. Koil(N) Street,
(Opp. to T.V.K Nagar Bus Stand) Perambur, Chennai, Bharat- 600082

पृष्ठ १९ से... **'जैतारण' में है विमलनाथ स्वामी का मन्दिर**

तेहरवें तीर्थंकर विमलनाथ जी स्वामी का मन्दिर सदर बाजार में स्थित है, यह शिखर बन्द है, मूलनायक विमलनाथ जी एवं आजू-बाजू भगवान सुमतिनाथ जी चन्द्रप्रभुजी एवं महावीर स्वामी जी की प्रतिमायें हैं।

विमलनाथ मन्दिर

श्री दादाजी का देवरा

दादाजी देवरा

दादा जी के देवरा के मूलनायक मुनिसुव्रत स्वामी हैं एवं आजू-बाजू भगवान मुनिसुव्रत स्वामी जी एवं भगवान पार्श्वनाथ स्वामी जी की प्रतिमायें हैं। यह सबसे पुराना मन्दिर है, जिसकी प्रतिष्ठा १९०८ भाद्र महीने की शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को की गई थी। प्रतिष्ठा का लाभ संघवी परिवार को मिला था।

श्री केशरियानाथ जी का मन्दिर

श्री केशरियानाथ जी का मन्दिर गाँव के बाहर स्थित होने से इसका नामकरण 'बारला मन्दिर' हो गया, यह मन्दिर जैतारण-जोधपुर सड़क के मार्ग पर स्थित हैं। मन्दिर में तीन देवालय हैं, प्रथम देवालय में मूलनायक भगवान धर्मनाथ जी आजू-बाजू चन्द्र प्रभुजी, सुपार्श्वनाथ जी मुनिसुव्रत स्वामी जी एवं चन्द्रप्रभु जी विराजमान हैं। द्वितीय देवालय में मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी एवं आजू-बाजू संभवनाथ जी एवं चन्द्रप्रभुजी की प्रतिमाये हैं। तृतीय देवालय में मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ जी एवं आजू-बाजू केशरियानाथ जी एवं पार्श्वनाथ की प्रतिमाये विराजमान हैं।

केशरियानाथ मन्दिर

श्री मोहनलाल जी का मन्दिर

सबका मन मोह लेने वाले भगवान श्री कृष्ण एवं राधिका की मूर्तियाँ विराजित हैं, यह ४०० वर्ष पुराना एवं शिखर बन्द देवालय है। मन्दिर में काँच का काम शोभनीय है, मन्दिर के दूसरे भाग में शिवजी का मन्दिर है। 'जैतारण' नगर में चौधरियों की पोल के बाहर यह मन्दिर स्थित है।

श्री नीलकण्ठ महादेव का मन्दिर

नीलकण्ठ महादेव मन्दिर

यह मन्दिर शिवचोकी के नाम से सुविख्यात है, इसमें भगवान शिव जी के सपरिवार मूर्तियाँ स्थापित की गई हैं, शिव जी और पार्वती के साथ गजानन्द जी भी विराजमान हैं। मन्दिर के समीप हनुमान जी का मन्दिर है, मन्दिर का अपना कुआं है, मन्दिर के बाहर पेयजल की व्यवस्था की हुई है।

श्री रघुनाथ द्वारा

रघुनाथ द्वारा

यह मन्दिर लखोटियों के चौक में है, इसका निर्माण लगभग २००-२४० वर्ष के आस-पास माना जाता है। यहाँ से भगवान श्री रामजी की सवारी हर दशहरे के अवसर पर काफी वर्षों से निकलती आयी है। दशहरे के पर्व की तैयारियाँ इस मन्दिर में होती है, यहाँ पर बारूद का रावण बनाया जाता है और गाँव के बाहर रावण के चबूतरे पर जलाया जाता है, इस अवसर पर बड़ा भारी मेला लगता है।

श्री रामदेव बाबा का मन्दिर

रामदेव बाबा मन्दिर

इस मन्दिर का निर्माण अभी हाल ही में हुआ है, मन्दिर राजकीय अस्पताल के सामने स्थित है, इसका निर्माण १९७७ में जैतारण निवासी शांतिलालजी धर्मीचन्दजी चौधरी तिरुपति वालों ने किया है, यहाँ प्रति वर्ष भादो मास की शुक्ला दसमी को मेला लगता है।

श्री राम द्वारा

राम द्वारा

इस भवन का निर्माण रामस्नेही संप्रदाय शाहपुर वालों ने किया है, इसी रामद्वारा का पुनः निर्माण सन्त हेतमराम जी महाराज द्वारा हुआ है, यह राजकीय अस्पताल के ठीक सामने है, सन्त हेतमराम जी का स्वर्गवास अगस्त १९९५ में जैतारण में हो गया था।

शेष पृष्ठ २३ पर...

पुणे में आयोजित
भव्यातिभव्य 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की
अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

जयप्रकाश राधाकिशन पुरोहित
D Pharm
Mob 94220 81678 / 8999093892
महामंत्री - राजस्थानी प्रकोष्ठ महाराष्ट्र प्रदेश, भाजपा
स्वीकृत नगरसेवक - पुणे महानगरपालिका,
संचालक ससून हॉस्पिटल महाराष्ट्र सरकार
बी-१९, तुषार हौसिंग सोसायटी,
१०९, माता रमाबाई आंबेडकर रोड (ताडीवाला रोड),
कुमार पिनाकल समोर, पुणे, महाराष्ट्र, भारत- ४११००१
भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतवर्ष' लिखवायें
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

पृष्ठ २२ से...

श्री राम बेरा

राम बेरा

यह स्थान आगेवा मार्ग पर है, यहाँ पर सिखवाल ब्राह्मण श्री बस्तीराम जी महाराज श्री रामदत्त जी महाराज दोनों की समाधियाँ हैं, आप श्री रामस्नेही सम्प्रदाय के थे। आपके अनुयायी पूरा माली समाज है।

श्री दरियाव जी महाराज

बस स्टेण्ड से करीब २०-३० कदम पर आपका स्थान है, जैसा की नाम से ही विदित है, दरयाव जी महाराज, अतः समुद्र से यह अमूल्य निधि प्राप्त हुई, इनकी स्थापना का समय विक्रम संवत १७३३ है। 'जैतारण' में आपका धाम एवं रेण (मेडता) में तपस्थली बनी हुई है, कुछ लोगों की धारणा है कि आप जुलाहे परिवार से सम्बन्धित थे।

दरियाव जी महाराज

श्री गीता भवन

गीता भवन

१९७५ की साल में स्वर्गीय श्री जुगराज जी मेवाड़ी ने दो बीघा जमीन गीता भवन निर्माण के लिये दी। सन्यासी श्री रामाशंकर जी देखभाल करते हैं, यहाँ सन्त महात्माओं, भक्तों, विकलांग एवं अनाथ बच्चों के ठहरने व खाने पीने की उत्तम व्यवस्था है, गौसेवा एवं अखाड़ा भी चलता है और अन्दर हनुमान जी का मन्दिर है।

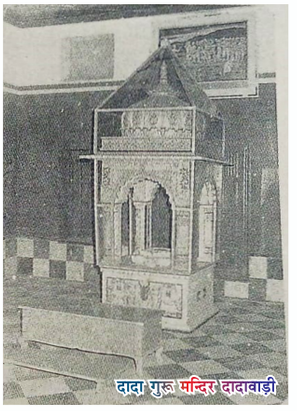

श्री दादा गुरू मन्दिर दादावाड़ी

बारला जैन मन्दिर दादावाड़ी में प्रथम दादा गुरू जनदत्त सुरीश्वर जी की चरण पादुका है, नई प्रतिष्ठा पदमसुरी जी महाराज द्वारा ७-२-१९८२ को की गई। आप दादा गुरू संवत् ११३२ में धवलका ग्राम में जन्मे, बचपन का नाम सुलतान माता वाहड़देवी एवं पिता वाछिंगसा था। संवत् ११४१ में दिक्षा, ११६९ में आचार्य पद एवं संवत् १२११ असाढ़ सुदी ११ को अजमेर में आपका स्वर्गवास हो गया।

दादा गुरू मन्दिर दादावाड़ी

श्री जैन स्थानक

जैन स्थानक

सवा के मोहल्ले में मूलचन्द जी धूलचन्द जी छाजेड़ एवं छल्लाणी परिवार वालों द्वारा स्थानकवासी समाज को भेट की गई जमीन पर बहुत वर्षो पहले बनाया गया था, जिसका नव-निर्माण २०२६ में श्री जसवन्तराज जी बोहरा की देखरेख में स्थानकवासी सम्प्रदाय वालों के सहयोग से किया गया।

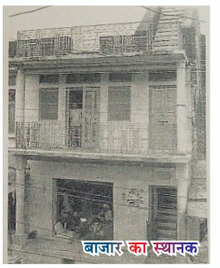

बाजार का स्थानक

सदर बाजार में एक पुरानी धर्मशाला की दुकान पड़ोस की दुकान श्रीमती मिश्रीबाई बाफना एवं पीछे की जमीन गणावत परिवार वालों द्वारा स्थानकवासी समाज को भेंट कर दी गई साथ में सवों के बास की दुकान पर बनाने की स्वीकृति भी मिल गई, भवन का नव-निर्माण शान्तिलाल जी धरमीचन्द जी चौधरी तिरुपति वालों द्वारा किया गया।

बाजार का स्थानक

श्री महावीर जैन भवन

सवों के बास में आधुनिक सुविधायुक्त महावीर जैन भवन श्री जसवन्तराज जी बोहरा की देखरेख एवं उनके प्रयास से बनाया गया, जिसमें छः बड़े कमरे, बड़ा हाल, रसोई रूम, स्टोररूम आदि सभी सुविधायें हैं। स्थानकवासी समाज के कई महानुभावों **शेष पृष्ठ २४ पर...**

महावीर जैन भवन

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य आपणों राजस्थान कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता के लिए बधाईयां

व्रत उपवास आपका विश्वास ®

भारत का सर्वप्रथम एगमार्क प्रमाणित साबूदाना
सच्चामोती और चक्र एगमार्क साबूदाना
के उत्पादक साबु ट्रेड, सेलम के
श्रेष्ठ सात्विक उत्पाद अपनाएं !

सच्चासाबु ®
एगमार्क साबूदाना, साबु- पापड़, ग्लुटेनमुक्त फरियाली आटा एवं न्यूट्रीदाना

अल्पाहार ®
एगमार्क शुद्ध सेलम की हल्दी पाउडर, मखाना, भगर एवं नारियल बूरां

कुकरीजॉकी ®
पांच तरह के मीलेट्स (श्रीधान्य) एवं चार तरह के चावल- कसावा खीचिया पापड़

SABU TRADE PRIVATE LIMITED
website: sabuonline. com | sabuindia. com
Email: customer@sabuindia. com Phone:9442605753

पृष्ठ २३ से... का आर्थिक सहयोग रहा है, समाज के लिये एवं अन्य समाज के लिये भी बहुत काम आ रहा है।

मूर्तिपूजक पौषधशाला

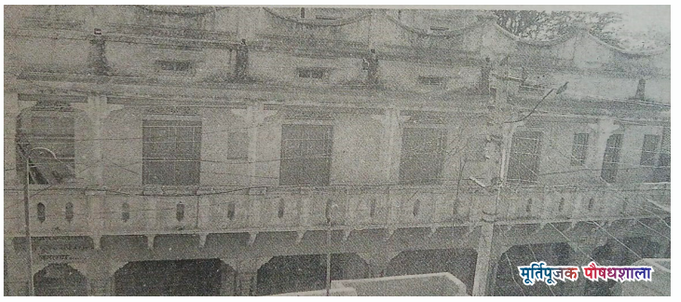
मूर्तिपूजक पौषधशाला

चौधरियों का मौहल्ला एवं भण्डारियों के मौहल्ले के बीच मूर्तिपूजक समाज की पौषधशाला भवन बना हुआ है। सदर बाजार में भी छोटा प्रवेश द्वार है तथा पौषधशाला के नीचे समाज की दुकानें बनी हुई है।

स्थानकवासी जैन गऊशाला

स्थानकवासी जैन गऊशाला

जैतारण आगेवा मार्ग पर चौकीदारों के मौहल्ले के पास पूज्य मरुधर केशरी श्री मिश्रीमल जी महाराज की सप्रेरणा से अपंग गायों की देखरेख के लिये गऊशाला बनाई गई, जिसका संचालन स्थाकवासी समाज द्वारा दानदाताओं के सहयोग से होता है। जानवरों के चरने के लिये श्रीमान् बछराज जी तखतराज जी भण्डारी परिवार वालों द्वारा १७० बीघा जमीन दी हुई है।

बकराशाला

बकराशाला

संवत् १९८६ में पूज्य श्रीलाल जी महाराज का स्वर्गवास इसी नगर में हुआ, उनकी पुण्य स्मृति में जीवदया बकराशाला की स्थापना की गई, इसकी व्यवस्था समाज के सहयोग से ओसवाल पंचायत द्वारा की जाती है, ओसवाल पंचायती में सदर बाजार में छः दुकानें है, जिसका किराया जीवदया के लिये काम लिया जाता है।

जेसीज पशु चिकित्सालय

यह पावनधाम के सामने जेसीज क्लब के सदस्यों के प्रयत्न से जैतारण

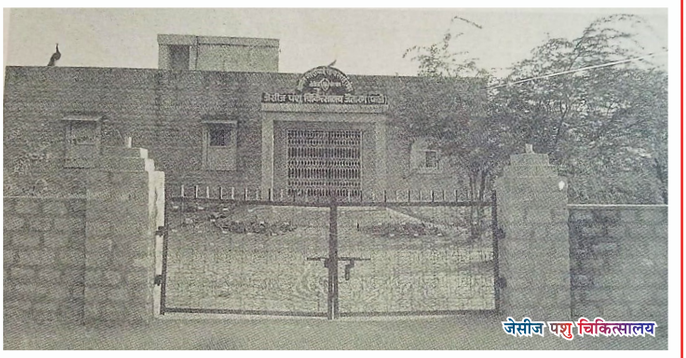
जेसीज पशु चिकित्सालय

निवासी सेठ श्री रतनलाल जी, कन्हैयालालजी राँका दोनों परिवार के प्रमुख आर्थिक सहयोग से दोनों की धर्मपत्नियाँ श्रीमती गोदीबाई, सुन्दरबाई राँका के नाम से १९८९ में बनवा कर राज्य सरकार को सुपुर्द कर दिया गया है।

श्री जगन्नाथ की बावड़ी

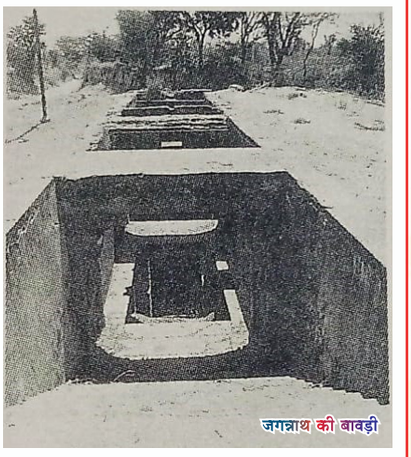
जगन्नाथ की बावड़ी

जैतारण निवासी माहेश्वरी जगन्नाथ जी मरदा ने जैतारण से फूलमाल मार्ग पर बावड़ी का निर्माण कराया गया जो जगन्नाथ की बावड़ी नाम से जानी जाती है, पास में पीर की नाडी है। देवजूलनी इग्यारस के दिन सभी मन्दिरों की असवारियाँ पीर नाड़ी के पास रुकती है, तैराकी प्रतियोगिता होती है, बावड़ी में लोग कूदते हैं। साधुबाबा के श्राप के कारण वर्षा ऋतु के

अखाड़ों की बावड़ी

बाद हर रोज एक सीढी पर से पानी खाली होता रहता है, कुल पाँच भाग हैं, सभी भाग में सीढ़ियाँ बनी हुई हैं पत्थर की कोठियाँ प्रत्येक कोहने में बनी हुई हैं।

अखाड़ों की बावड़ी

जैतारण निवासी माहेश्वरी भेनाराम जी लखोटिया ने इस बावड़ी का निर्माण किया, जिसे भेणों भा की बावड़ी या अखाड़े की शेष पृष्ठ २५ पर...

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

Padam Chand Samdariya
Mob: 9380345333

KANCHANA JEWELLERS

54, arcot road, valasaravakkam, Chennai,
Tamil Nadu, Bharat- 600087
PH; 044-24861221, 044-49529166

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम
'भारतवर्ष' लिखवायें

पृष्ठ २४ से... बावड़ी कहा जाता है, पास में शिवजी का मन्दिर है एवं अखाड़े खेले जाते हैं।

राव रतनसिंह जी स्मृति भवन

राव रतनसिंह जी स्मृति भवन

उदावत राठोड़ वंशज के एवं जैतारण के अन्तिम शासक श्री राव रतनसिंह जी का स्मृति भवन झंड़े की पोल के अन्दर ५ अगस्त १९७४ को ट्रस्ट द्वारा बनाया गया। राव रतनसिंह जी की मूर्ति की स्थापना की हुई है एवं तस्वीर में राव रतनसिंह जी उनके दादा एवं पिताजी की फोटुएं हैं।

रोटरी नेत्र चिकित्सालय

जैतारण निमाज सड़क मार्ग पर रोटरी क्लब के सदस्यों के प्रयत्न से १९८० में जैतारण निवासी सेठ श्री रतनचंदजी कन्हैयालालजीं रांका परिवार के प्रमुख आर्थिक सहयोग से श्री ताराचन्दजी खत्री (अग्रवाल) द्वारा भेंट की गई जमीन एवं बाद में खरीदी जमीन पर यह चिकित्सालय बनाया गया है, जिसका संचालन पानापार्टी ट्रस्ट एवं रोटरी क्लब के द्वारा किया जा रहा है।

रोटरी नेत्र चिकित्सालय

रोटरी वाचनालय

जैतारण नगर के झड़े के नीचे सब्जी मंडी के पास रोटरी क्लब के प्रयास

रोटरी वाचनालय

से १९८४ में जैतारण निवासी सेठ कन्हैयालालजी रांका परिवार के आर्थिक सहयोग से जनता के हितार्थ सेठ कन्हैयालाल सुन्दरबाई रांका रोटरी वाचनालय बनाया गया है, जिसका संचालन रोटरी क्लब के अंतरगत हो रहा है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगरी
'जैतारण' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दीक शुभकामनाएं

Dr. Bikkamchand Saklecha
MBBS, DCh, FCIP
Consultant Paediatrician
MEDICAL DIRECTOR

SANTOSH HOSPITAL
No: 6/1, Promenade Road, Near Cole's Park,
Bangalore, Karnataka, Bharat- 560 005
Ph: 080 4084 8888, M: +91 9845023991
www.santoshhealthcare.com
mail: sh@santoshhealthcare.com

SANTOSH DIAGNOSTIC & SCAN CENTRE
No: 69, St John's Church Road,
Near Coles Park Bangalore, Karnataka,
Bharat -560 005, Ph: 080 4925 4925

Branch: No: 19, 80 Ft Main Road, HMT Layout, RT Nagar,
Bangalore, Karnataka, Bharat- 560 032, Ph: 080 4256 6000

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

सामाजिक जीवन में गिरते संस्कार और शुचिता पर चिंता

कोलकाता/रांची: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त तत्वावधान में 'सामाजिक जीवन में संस्कार और शुचिता-चर्चा एवं चिंतन' जैसे अत्यंत सामयिक एवं प्रासंगिक विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन रांची के मारवाड़ी भवन परिसर में किया गया, इस महत्वपूर्ण आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े बुद्धिजीवियों, पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

इस अवसर पर विषय प्रवर्तक के रूप में कोलकाता से पधारे डॉ. संजय हरलालका ने अपने उद्बोधन में 'संस्कार और शुचिता' के महत्व को विस्तार से रेखांकित किया, उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भौतिकता के बढ़ते प्रभाव के कारण सामाजिक मूल्यों में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे में संस्कारों का संरक्षण और शुचिता का पालन अत्यंत आवश्यक हो गया है, उन्होंने कहा कि सेवा के क्षेत्र में त्याग की भावना होनी चाहिए न कि आधिपत्य की। सीमित स्वार्थ के साथ समाज कल्याण की भावना ही सर्वोपरि होनी चाहिए।

प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज की मजबूती उसके नैतिक मूल्यों पर निर्भर करती है, उन्होंने कहा कि 'संस्कार' केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है, जो व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करना सिखाती है, उन्होंने समाज में शुचिता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया और युवाओं को इस दिशा में अग्रसर होने का आह्वान किया।

पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने अपने संबोधन में सामाजिक जिम्मेदारियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज के दौर में व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों में इतना उलझ गया है कि सामूहिक हितों की अनदेखी हो रही है, उन्होंने कहा कि शुचिता केवल बाहरी व्यवहार तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे विचारों, आचरण और निर्णयों में भी परिलक्षित होनी चाहिए, साथ यह भी कहा कि यदि समाज में नैतिकता और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जाए, तो अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान स्वतः हो सकता है।

संगोष्ठी में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर अपने विचार व्यक्त किए, उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज अपनी परंपराओं, संस्कारों और नैतिक मूल्यों के लिए सदैव जाना जाता रहा है और इन मूल्यों को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में झारखंड प्रांत के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने कहा कि समाज को सशक्त बनाने के लिए संस्कारों की नींव को मजबूत करना अनिवार्य है, उन्होंने सभी वक्ताओं के विचारों की सराहना करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी के माध्यम से जो संदेश समाज को मिला है, वह निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होगा।

कार्यक्रम की कुशल व्यवस्था के साथ ही प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने उपस्थित सभी अतिथियों, समाजजनों और महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया, सफल संचालन राजेश कौशिक ने किया।

इस अवसर पर पूर्व प्रांतिय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, सज्जन पाडिया, विनोद जैन, पवन पोद्दार, प्रमोद अग्रवाल, कौशल राजगढिया, अनिल अग्रवाल, सुभाष पटवारी,संजय सर्राफ, निर्मल बुधिया, किशन साबू, रमन बोडा, चंडी प्रसाद डालमिया, रवि शंकर शर्मा, विनोद महलका, अशोक नारसरिया, रतन बंका, अरुण भरतिया, प्रकाश बजाज, प्रमोद बगड़िया, राजेश भरतिया, ललित पोद्दार, अरुण जोशी, राजकुमार मित्तल, अजय डीडवानिया, विकास अग्रवाल कमल खेतावत, विजय कुमार खोवाल,भरत बगड़िया, किशन अग्रवाल,रौनक झुनझुनवाला, विनीता सिंघानिया, रीना सुरेखा, छाया अग्रवाल, सीमा पोद्दार, प्रीति फोगला, सहित बड़ी संख्या में सदस्य गण उपस्थित थे।

पग पग 'जनमें सुरमा, रक्त पियोडो रण
जैती रे बलिदान सू, बणियों 'जैतारण'

M.Mahaveerchand Naman Kumar Singhvi
अध्यक्ष श्री जैतारण पट्टी ओसवाल संघ (चेन्नई तमिलनाडु)
A UNIT OF 144 VI LAGES
Office:
7/3 wadals Road, Kilpauk, chennai, Tamil Nadu, Bharat -600010
Tel.: 044-25293722 Mob: 98841 75081
Residence:
"TVH Lumbini Square"
Flat No. 7171, 17th Floor, 7th Block, 127-A, Bricklin Road,
Purasawakkam, Chennai, Tamil Nadu, Bharat - 600 007
Tel.: 044-49597171
E-mail: mahaveermsinghvi83@gmail.com

आनंदपुर कालू मेरी जन्मभूमि-मेरा अभिमान

महावीर चंद सिंघवी
अध्यक्ष जैतारण पट्टी ओसवाल संघ चेन्नई
आनंदपुर कालू (जैतारण) निवासी-चेन्नई प्रवासी

जन्म लिया जिस माटी में, वह माटी चंदन है,
आनंदपुर-कालू मेरा वह गांव नंदन है।...

सदियों पुराना इतिहास और संस्कारों की वह पावन भूमि, जिसका नाम लेने से ही सीना चौड़ा हो जाता है वह मेरा गांव 'आनंदपुर कालू', जैतारण-मेड़ता हाईवे से २ किलोमीटर दूरी पर एक छोटे से टापू की तरह बसा हुआ है। गांव के चारों तरफ नदी कलकल बहती थी, पर गांव को कभी नुकसान नहीं हुआ, मेरा गांव मात्र

पत्थरों व सीमेंट से बना हुआ एक ढांचा नहीं, अपितु संस्कार सेवा और सुरक्षा का अनुपम संगम है। कालांतर में अनेक परिवार दक्षिण की ओर व्यवसाय के लिए चले गए, पर आज प्रवासी होकर भी अपनी मातृभूमि से जुड़े हैं। मेरा गांव धर्म की नींव पर टिका हुआ है, यहां पर जैन जिनालय है, जिसमें श्वेताम्बर आदिनाथ जैन मंदिर, हमारे पूर्वज बताते हैं कि यह मंदिर लगभग हजार वर्ष पुराना है, यहां मूलनायक आदिनाथ तीर्थंकर की प्रतिमा सम्प्रति महाराज के समय की प्रतिमा है, गांव में तीन दिगम्बर जैन मंदिर भी है, इसके अलावा शीतला माता जी का मंदिर, लक्ष्मी नारायण जी का मंदिर, वीर तेजाजी का मंदिर आदि गांव की धरोहर है, सभी धर्म का सम्मान गांव का संस्कार है, संस्कृति इसी से दिखती है। 'होली' के पर्व पर सभी गांव वासी प्रेम से एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर गैर नृत्य व ढोल ताल पर नाचते हैं। गणगौर का मेला भी भव्य रूप में लगता है। महावीर जन्मकल्याणक पर्व पर गांव में शोभायात्रा निकाली जाती है। १४४ गांव का समूह 'जैतारण पट्टी ओसवाल संघ' आदर्श गांव के रूप में प्रसिद्ध है, यहां की अनाज मंडी जिसमें 'जीरा' का व्यापार प्रमुख रूप से होता है, जो कि राजस्थान की दूसरी सबसे बड़ी मंडी है। गांव में तीन गौशाला है, जिसमें लगभग १००० अबोध पशुओं का पालन किया जा रहा है, इतिहास बताता है कि वर्षों पूर्व राव आनंद सिंह जी का पधारना हुआ, तब से कालू के आगे 'आनंदपुर कालू' लिखना शुरू हुआ। गांव की एकता अद्भुत है, इस गांव में रहने वाले माली, सीरवी, जाट, राजपुरोहित, जैन, माहेश्वरी आदि ३६ कौम, इस गांव में प्रेम व अपनत्व की भावना से एक साथ रहते हैं।

मेरा विशेष रूप से प्रवासियों से निवेदन है कि हम सभी अपनी भावी पीढी युवा वर्ग, बच्चों व महिलाओं को अपने गांव लेकर जाएं, उन्हें अपने पूर्वजों की विरासत को बतलाएं, ताकि सभी भारतीय संस्कृति की परंपरा से जुड़े रहें।

- मेरा राजस्थान

पग पग 'जनमें सुरमा, रक्त पियोडो रण
जैती रे बलिदान सू, बणियों 'जैतारण'

Subhaschandra Taleda
Mob: 9448440478

Chandmal Nemichand Taleda
Ayurvedic Store

Kuknoor, Koppal, Karnataka, Bharat- 583232

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
जैतारण के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

Sumatilal Sakalecha
Mob: 9448452024

Abinandan Sakalecha
Mob: 9448523888

SHA HAMEERMAL JUGRAJ
Paddy Cotton, Food Grains & Pulses Merchant & Commission Agents

A.P.M.C. Yard Janata Gunj, Sindhanur, Raichur,
Karnataka, Bharat- 584128
(08535) (0) 220295, 222816 Fax: 220295 (R) 220202

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगरी
'जैतारण' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

M. DHARMICHAND JAIN
Mob: 9710338800

Off.: 126, Dr. Rajendra Prasad Road, Chromepet, Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600 044
Resi.: 128, Mudichur Road, West Tambaram, Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600 045

'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठक श्रीचरणों में विलीन

जयपुर-मुंबई: श्री मोहनलाल जी शर्मा दाधीच का जन्म १५-६-१९४० को कड़लू (राजस्थान) में हुआ, आपके पिताजी का नाम श्री बिरदीचंदजी एवं माता का नाम श्रीमती जमुनादेवी था। आपश्री बिरदीचंदजी की सात संतानों में से एक थे। सबसे बड़ी बहन गुलाब देवी अभी ९२ वर्ष में स्वस्थ हैं।

स्व. श्री मोहनलालजी शर्मा

बाद में तीन भाइयों में सबसे बड़े देवकिशनजी, उनसे छोटे गोकुलचंदजी और सबसे छोटे भाई जगदिश और छोटी बहन कमला और सरजु के आपश्री बेहद करीब रहे, आपने अपनी शिक्षा मारवाड़ मुंडवा एवं जोधपुर में की।

विदित हो कि मोहनलाल जी अत्यंत मिलनसार स्वभाव, मृदुभाषी एवं सामाजिक व्यक्ति थे, आपने इस्कॉन में दीक्षा ली और आपको 'बृहस्पतिदास' नाम दिया गया। चंदन के तिलक और गले में तुलसी माला से आपका व्यक्तित्व और भी निखर जाता था। जगह-जगह पर प्रसाद वितरण करना आपका नित्य का कार्य था, इसमें आपको संतोष मिलता था।

आपने अपने जीवन काल में न केवल अपने परिवार का ध्यान रखा, बल्कि समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। १८-४-२०२६ को हमारे बीच से विदा लेकर आप ईश्वर के चरणों में विलीन हो गए, आपका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा, ईश्वर आपकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

आपकी यादों के साथ स्मरणकर्ता...
श्रीमती रामेश्वरी देवी (धर्मपत्नी) जयपुर
देवकिशन / प्रज्ञा (भ्राता एवं बहू) नोएडा,
जगदीश / वीणा (भ्राता एवं बहू) अहमदाबाद,
संजय / सीमा (पुत्र एवं पुत्रवधू) जयपुर,
विजय / अनुपमा (पुत्र एवं पुत्रवधू) मुंबई,
अमित / निधि (भतीजा एवं भतीजा बहू) अमेरिका,
राहुल / सुरभि (पौत्र एवं पौत्रवधू) लंदन,
रोहित (पौत्र) अमेरिका, अर्जुन (पौत्र) लंदन

-अनुपमा शर्मा (दाधीच)
कार्यकारी संपादक

'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठक बीकाजी फूड्स के चेयरमैन शिव रतन अग्रवाल का चेन्नई में निधन

शिव रतन कहते थे- मशीनें सिर्फ रफ्तार बढ़ाती हैं, संस्कार नहीं, तकनीक अपनाएं, पर अपनी जड़ों को मत छोड़िए

बीकानेर: बीकाजी फुड्स इंटरनेशनल लिमिटेड के चेयरमैन शिव रतन अग्रवाल (७५) का चेन्नई में हार्ट अटैक से निधन हो गया, पत्नी की बाईपास सर्जरी के बाद वे चेनई में रुके थे। 'हल्दीराम' समूह से अलग पहचान बनाने के लिए अग्रवाल ने १९९३ में 'बीकाजी' की स्थापना की थी, यह सफर अब ग्लोबल ब्रांड बन चुका है, उन्होंने बीकानेरी भुजिया को विश्व में पहचान दिलाई।

जन्म: ४ मई १९५१
निधन: २३ अप्रैल २०२६

विरासत का सम्मान, पर पहचान अपनी: हल्दीराम जी ने मुझे व्यापार सिखाया, पर 'बीकाजी' ने मुझे मेरी पहचान दी। आप भले ही कितनी भी बड़ी विरासत से आए हों, पर जब तक आप अपनी अलग लकीर नहीं खींचते, तब तक आपकी अपनी कोई गिनती नहीं होती।

स्वाद से समझौता, बिजनेस से धोखा: 'मशीनें सिर्फ रफ्तार बढ़ाती हैं, संस्कार नहीं, अगर आपकी नीयत में स्वाद की ईमानदारी है, तो मशीन से निकलने वाली भुजिया भी वही तृप्ति देगी जो हाथ से बनी होती है।

तकनीक अपनाएं, ईमानदारी से पर अपनी जड़ों (स्वाद) को मत छोड़िए।

काम को संस्कृति मानें: ब्रांड को वैश्विक बनाने पर...

बीकानेर की गलियों का स्वाद सात समंदर पार इसलिए पहुंचा क्योंकि हमने कभी यह नहीं सोचा था कि हम केवल 'नमकीन' बेच रहे हैं, हमने सोचा कि हम बीकानेर की संस्कृति को एक पैकेट में पैक कर रहे हैं।

भरोसा सर्वोपरि: अमिताभ बच्चन को ब्रांड एंबेसडर बनाने पर आप कहते थे कि अमिताभ अनुशासन व भरोसे का प्रतीक हैं, मैं चाहता था कि जब कोई 'बीकाजी' का पैकेट हाथ में ले, तो यह भरोसा हो कि इसके अंदर की चीज अमिताभ की तरह ही 'क्लास' और 'क्वालिटी' वाली है।'

करीबियों के बीच शिव रतन 'फन्ना बाबू' के रूप में आपने व्यापार, सेवा और सादगी में गहरी छाप छोड़ी। बता दें कि हल्दीराम के संस्थापक गंगाबिशन अग्रवाल के चार बेटे थे। शिव रतन जी हल्दीराम के सबसे बड़े बेटे मूलचंद अग्रवाल के पुत्र थे। १९८० के दशक तक तक हल्दीराम का कारोबार बीकानेर, कोलकाता और नागपुर तक फैल चुका था, जहां परिवार के सदस्य अलग-अलग शहरों की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। १९९० के दशक में जब क्षेत्रों का बंटवारा हुआ, तो शिवरतन जी को बीकानेर क्षेत्र मिला, उनके सामने दो विकल्प थे, स्थापित 'हल्दीराम' नाम के साथ काम जारी रखना या नया ब्रांड खड़ा करना, उन्होंने दूसरा रास्ता चुना और १९९३ में बीकाजी की नींव रखी।

मजबूत विरासत: मात्र ३३ साल में शिव रतन जी 'बीकाजी' को ४० देशों में पहुंचा दिया, फोर्ब्स के अनुसार कंपनी का मार्केट कैप १७,२८२ करोड़ रुपए और शिव रतन अग्रवाल जी की नेटवर्थ १३,१७५ करोड़ रुपए है, वे फोर्ब्स की अरबपतियों की सूची (२०२४) में शामिल थे। 'बीकाजी' के पास २५० से ज्यादा फूड वैरायटी उपलब्ध हैं।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम
'भारतवर्ष' लिखवायें

श्री जैतारण ओसवाल जैन संघ का सम्मान समारोह

चेन्नईः श्री जैतारण ओसवाल जैन संघ, चेन्नई (तमिलनाडु) की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन रविवार, २६ अप्रैल २०२६ को सुबह चूलै स्थित जेएमए कन्वेंशन हॉल में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के सम्पूर्ण लाभार्थी परिवार रमेशकुमार, मनीष, डीपीन, दिवीत, मनन और अनमय (बेटा, पोता, पड़पोता) अमरावदेवी, रीखबचंद देवड़ा बोहरा (मरुधर में जैतारण) हैं।

समारोह में देवराज छाजेड़ और ताराचंद सकलेचा को 'जैतारण विभूति सम्मान' से अलंकृत किया गया। संघवी सेठ सुभाषचंद रांका को 'जैतारण शताब्दी पुरुष' अवार्ड से नवाजा गया। इसके अलावा मोहनलाल गड़वाणी और सुदर्शन छल्लाणी को 'जैतारण गौरव पद' से सम्मानित किया गया, जबकि सिद्धार्थ मेहता को जैतारण युवा रत्न अवार्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम की तैयारियों में संयोजक आनंद चौधरी, सचिव दिलीप नाबरिया, अध्यक्ष रणजीत छल्लानी, कोषाध्यक्ष सूरज सकलेचा, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ मेहता, संयोजक इंदरचंद छाजेड़ और सहसचिव राजेंद्र खटोड सहित अन्य पदाधिकारियों सक्रिय रूप से सहयोग किया।

पुणे में आयोजित भव्यातिभव्य आपणों राजस्थान
कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता
के लिए बधाईयां

PRAVEEN KUMAR TATIA
Mob.: 9840095050

Tatia Chemical Corporation Pvt. Ltd.

18, Ritherdon Road, Vepery,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat - 600007
Phone: 25325050 / email: info@tatia.net

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

इतिहास, आस्था और परंपरा से जुड़ा नाम
'जैतारण' के विशेषांक पर हार्दिक शुभकामनाएं

M. SUDERSHAN CHALLANI
Mob: 9840057333

S. VIMLESH CHALLANI
Mob: 9840115333

S. AKILESH CHALLANI
Mob: 9988257333

V. HITESH CHALLANI
Mob: 9751579333

SUDERSHAN ENTERPRISES

No: 21, West Arasamaram Street, Aminjikarai,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600029,
E-mail: sudershanenterprises1980@gmail.com

अनमोल राष्ट्रीय प्रयास

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

जय भारत! जय भारत! जय भारत!

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी
राष्ट्रपति भारत गणराज्य
राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली,
भारत -११०००४

दिनांकः ०६ अप्रैल २०२६

विषयः
- भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'!
- दिल्ली स्थित INDIA GATE का नाम 'भारत द्वार' किया जाए।
- मुंबई स्थित GATE WAY OF INDIA का नाम 'भारत प्रवेश द्वार' किया जाए।
- भारत की एक 'राष्ट्रभाषा' घोषित की जाए, सभी राज्यों की भाषा को मातृभाषा का रूप दिया जाए।
- गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए।

जय भारत!
'भारत' आज विश्व में आर्थिक हो या सामाजिक हर रूप में शक्तिशाली की पायदान में चढ़ता चला जा रहा है। हम सभी भारतीयों की यह इच्छा है कि
- भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'!
- दिल्ली स्थित INDIA GATE का नाम 'भारत द्वार' किया जाए।
- मुंबई स्थित GATE WAY OF INDIA का नाम 'भारत प्रवेश द्वार' किया जाए।
- भारत की एक राष्ट्रभाषा घोषित की जाए, सभी राज्यों की भाषा को 'मातृभाषा' का रूप दिया जाए।
- गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिया जाए।

आप 'भारत' के विकास व सम्मान के पायदान की रीढ़ हैं, हमें विश्वास है कि आप हमारे उक्त निवेदन पर ध्यान देते हुए भारतीय संविधान के स्वरूप लोकसभा से पारित करवाएंगे, ऐसी विनंती !
जय भारत!

निवेदक

राष्ट्रीय अध्यक्ष — बिजय कुमार जैन, मुंबई — मो. 9322307908
राष्ट्रीय महामंत्री — शोभा सादानी, कोलकाता — मो. 8910628944
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष — डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा — मो. 9414183919
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष — निशा लड्डा, कोलकाता — मो. 9830224300
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष — मंजू अग्रवाल, पुणे — मो. 8806751782
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री — रवि जैन, मुंबई — मो. 8108843571
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री — वर्षा मूंधड़ा, कोलकाता — मो. 9874272916
संगठन मंत्रीः — अनुपमा शर्मा (दाधीच), मुंबई — मो. 9702205252
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक — अरूण मूंधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका — मो. 01 (919) 610-7106
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक — किशोर जैन, लंदन, यूके — मो. 044 (770) 3827595

और विश्व में फैले भारतीय...
आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-4015 8094, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in
◆ यूएसए ◆ 5501 रीजेंसी ड्राइव, शुगर लैंड, मेट्रो ह्यूस्टन, TX, यूएसए- 77479, फोनः +1-919-610-7106 (USA), ईमेलः mundra.arun@gmail.com
◆ कोलकाता कार्यालय ◆ 15/1, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, 1 तल्ला, माहेश्वरी बालिका स्कूल के सामने, आलू पोस्ता के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता, प. बंगाल, भारत- 700007, फोन : 033-71481571
◆ यूनाइटेड किंगडम ◆ 76 रोज़नेथ एवेन्यू, लीसेस्टर, LE4 7GT, यूके, फोनः + 44 7703827595, ईमेलः kishorjain@hotmail.co.uk

भारत के राष्ट्रपति कार्यालय से जवाब आया है

Presidentofindia@rb.nic.in Secretariat presidentofindia@nic.in via nic.in — Wed, Apr 15, 4:41 PM (9 days ago)
to Govind, me

महोदय/ महोदया
Sir/Madam,

कृपया उपर्युक्त विषय पर भारत के राष्ट्रपति जी को संबोधित स्वतः स्पष्ट याचिका उपयुक्त ध्यानाकर्षण के लिए संलग्न है। याचिका पर की गई कार्रवाई की सूचना सीधे याचिकाकर्ता को दे दी जाये।
Attached please find for appropriate attention an e-mail petition addressed to the President of India which is self explanatory. Action taken on the petition may please be communicated to the petitioner directly.

सादर।
Regards.
(अशोक कुमार)
(Ashok Kumar)

अवर सचिव
Under Secretary
राष्ट्रपति सचिवालय
President's Secretariat
राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
Rashtrapati Bhavan, New Delhi

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर
जय भारत! जय भारत! जय भारत!

श्री भूपेंद्रभाई रजनीकांत पटेल
मुख्यमंत्री गुजरात
तीसरी मंजिल, स्वर्णिम संकुल-१,
न्यू सचिवालय, सेक्टर-१० गांधी नगर,
गुजरात, भारत- ३८२०१०

दिनांकः १५ मार्च २०२६

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बनें
संदर्भः भारत का एक राज्य गुजरात में गौमाता को राजमाता का सम्मान प्राप्त हो

जय भारत!
भारतीय संस्कृति में गौ माता को प्रथम दृष्ट्या पूजित व सम्मान दिया जाता है, कारण यह है कि 'गौ माता' से मिले चरणामृत दूध, दही, मूत्र, गोबर इत्यादि इंसानों के साथ प्राकृतिक संवर्धन के लिए भी उत्तम होता है। निवेदन यह है कि **गौमाता** को गुजरात में **'राजमाता'** का सम्मान दिया जाए, ताकि हम भारतीयों को आत्मिक प्रसन्नता हो। हमें विश्वास है कि आपके द्वारा हमारे निवेदन पर जरूर ध्यान दिया जाएगा।
जय भारत ! जय गौ माता!

निवेदक

राष्ट्रीय अध्यक्ष — बिजय कुमार जैन, मुंबई — मो. 9322307908
राष्ट्रीय महामंत्री — शोभा सादानी, कोलकाता — मो. 8910628944
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष — डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा — मो. 9414183919
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष — निशा लड्डा, कोलकाता — मो. 9830224300
पद्मश्री व प्रसिद्ध भजन गायक — अनुप जलोटा, मुंबई — मो. 9821069089
राष्ट्रीय सांस्कृतिक निर्देशक — दिलिप सेन, मुंबई — मो. 93228 66476
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री — वर्षा मूंधड़ा, कोलकाता — मो. 9874272916
पूर्वांचल उपसभापति — सुशीला पुगलिया, कोलकाता — मो. 8617203712
उपाध्यक्ष — कांता गगरानी, आगरा — मो. 9837888088
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री — रवि जैन, मुंबई — मो. 8108843571
उत्तरांचल उप सभापति — पूरण डावर, आगरा — मो. 9837065440
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक — अरूण मूंधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका — मो. 01(919)610-7106
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक — किशोर जैन, लंदन, यूके — मो. 044 (770) 3827595

प्रकल्प प्रमुख

राष्ट्र सेविका — किरण लड्डा, दिल्ली — मो. 9871605944
प्रसिद्ध उद्योगपति — प्रकाश बियानी, दिल्ली — मो. 7895815961
पूर्व अध्यक्ष NICS, Bharat — ममता बिन्नानी, कोलकाता — मो. 9831099551
मिसेस भारत युनिवर्स — रूपल मोहता, खामगांव — मो. 8989919898
मिसेस भारत युनिवर्स — सिद्धि जोहरी, जोधपुर — मो. 7023043164
प्रसिद्ध उद्योगपति व ब्लॉगर — श्रद्धा गट्टानी, उदयपुर — मो. 9314664412
प्रसिद्ध उद्योगपति — संगीता बियानी, भुसावल — मो. 9822536111
सुरेश मुंदड़ा, संबलपुर — मो. 9437061417
नंदकिशोर माहेश्वरी, ढेंकनाल — मो. 9437074044
घनश्याम पेड़ीवाल, भुवनेश्वर — मो. 9437086896
सुशील राठी, बालासोर — मो. 9437559297
सुनील कोठारी, कटक — मो. 9338104702
दिनेश करनानी, बालासोर — मो. 9937212483

और विश्व में फैले भारतीय...
आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-4015 8094, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in
◆ यूएसए ◆ 5501 रीजेंसी ड्राइव, शुगर लैंड, मेट्रो ह्यूस्टन, TX, यूएसए- 77479, फोनः +1-919-610-7106 (USA), ईमेलः mundra.arun@gmail.com
◆ कोलकाता कार्यालय ◆ 15/1, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, 1 तल्ला, माहेश्वरी बालिका स्कूल के सामने, आलू पोस्ता के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता, प. बंगाल, भारत- 700007, फोन : 033-71481571
◆ यूनाइटेड किंगडम ◆ 76 रोज़नेथ एवेन्यू, लीसेस्टर, LE4 7GT, यूके, फोनः + 44 7703827595, ईमेलः kishorjain@hotmail.co.uk

गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय से जवाब आया है

Smt.Mita Joshi(GoG-CMO Dept.) <registry-cmo@gujarat.gov.in> — Mon, Apr 20, 11:35 AM (4 days ago)
to IAS, me

Respected Sir(s)/ Madam(s),

You are kindly requested to take necessary action for below email thread and inform the applicant.

Yours faithfully,
Additional Collector to Chief Minister

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर
जय भारत! जय भारत! जय भारत!

१२ नवंबर २०२५

श्री योगी आदित्यनाथ जी
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश
लाल बहादुर शास्त्री भवन
लखनऊ, उत्तर प्रदेश
भारत- २२६००१

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बनें
संदर्भः भारत का एक राज्य उत्तर प्रदेश में गौमाता को राजमाता का सम्मान प्राप्त हो

जय भारत!
भारतीय संस्कृति में गौ माता को प्रथम दृष्ट्या पूजित व सम्मान दिया जाता है, कारण यह है कि 'गौ माता' से मिले चरणामृत दूध, दही, मूत्र, गोबर इत्यादि इंसानों के साथ प्राकृतिक संवर्धन के लिए भी उत्तम होता है।
निवेदन यह है कि **'गौ माता'** को उत्तर प्रदेश में **'राजमाता'** का सम्मान दिया जाए, ताकि-हम भारतीयों को आत्मिक प्रसन्नता हो।
हमें विश्वास है कि आपके द्वारा हमारे निवेदन पर जरूर ध्यान दिया जाएगा।
जय भारत! जय गौ माता!

निवेदक

राष्ट्रीय अध्यक्ष — बिजय कुमार जैन, मुंबई — मो. 9322307908
राष्ट्रीय महामंत्री — शोभा सादानी, कोलकाता — मो. 8910628944
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष — डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा — मो. 9414183919
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष — निशा लड्डा, कोलकाता — मो. 9830224300
पद्मश्री व प्रसिद्ध भजन गायक — अनुप जलोटा, मुंबई — मो. 9821069089
राष्ट्रीय सांस्कृतिक निर्देशक — दिलिप सेन, मुंबई — मो. 93228 66476
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री — वर्षा मूंधड़ा, कोलकाता — मो. 9874272916
पूर्वांचल उपसभापति — सुशीला पुगलिया, कोलकाता — मो. 8617203712
उपाध्यक्ष — कांता गगरानी, आगरा — मो. 9837888088
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री — रवि जैन, मुंबई — मो. 8108843571
उत्तरांचल उप सभापति — पूरण डावर, आगरा — मो. 9837065440
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक — अरूण मूंधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका — मो. 01(919)610-7106
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक — किशोर जैन, लंदन, यूके — मो. 044 (770) 3827595

प्रकल्प प्रमुख

राष्ट्र सेविका — किरण लड्डा, दिल्ली — मो. 9871605944
प्रसिद्ध उद्योगपति — प्रकाश बियानी, दिल्ली — मो. 7895815961
पूर्व अध्यक्ष NICS, Bharat — ममता बिन्नानी, कोलकाता — मो. 9831099551
मिसेस भारत युनिवर्स — रूपल मोहता, खामगांव — मो. 8989919898
मिसेस भारत युनिवर्स — सिद्धि जोहरी, जोधपुर — मो. 7023043164
प्रसिद्ध उद्योगपति व ब्लॉगर — श्रद्धा गट्टानी, उदयपुर — मो. 9314664412
प्रसिद्ध उद्योगपति — संगीता बियानी, भुसावल — मो. 9822536111
सुरेश मुंदड़ा, संबलपुर — मो. 9437061411
नंदकिशोर माहेश्वरी, ढेंकनाल — मो. 9437074044
घनश्याम पेड़ीवाल, भुवनेश्वर — मो. 9437086896
सुशील राठी, बालासोर — मो. 9437559297
सुनील कोठारी, कटक — मो. 9338104702
दिनेश करनानी, बालासोर — मो. 9937212483

और विश्व में फैले भारतीय...
आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-28509999, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in
◆ कोलकाता कार्यालय ◆ १५/१, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, १ तल्ला, माहेश्वरी बालिका स्कूल के सामने, आलू पोस्ता के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता, प. बंगाल, भारत- 700007, फोन : 033-71481571
◆ उड़ीसा कार्यालय ◆ सुरेश मुंदड़ा, नौपाड़ा, पो. खेतराजपुर, जिला-संबलपुर, उड़ीसा भारत- 768003, मो. 9437061411
◆ न्यू जर्सी ◆ 40 न्यूपोर्ट पार्कवे, अपार्टमेंट 3115, जर्सी सिटी, न्यू जर्सी- 07310, ईमेलः Nihal.b.jain@gmail.com, Jain.nihal98@gmail.com
◆ यूएसए ◆ 5501 रीजेंसी ड्राइव, शुगर लैंड, मेट्रो ह्यूस्टन, TX, यूएसए- 77479, फोनः +1-919-610-7106 (USA), ईमेलः mundra.arun@gmail.com
◆ यूनाइटेड किंगडम ◆ 76 रोज़नेथ एवेन्यू, लीसेस्टर, LE4 7GT, यूके, फोनः + 44 7703827595, ईमेलः kishorjain@hotmail.co.uk

1

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय से जवाब आया है

Chief Minister Office Uttar Pradesh cmup@nic.in via nic.in — Nov 12, 2025, 3:26 PM
to me

प्रिय महोदय,
आपका ईमेल मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक ईमेल पर प्राप्त हुआ है. यदि ईमेल जनशिकायत श्रेणी का है तो मुख्यमंत्री कार्यालय, उ०प्र० द्वारा जनता की शिकायतों को दर्ज किए जाने हेतु विकसित आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल 'जनसुनवाई-समाधान' पर आप द्वारा शिकायत दर्ज करायी जा सकती है, जिसका वेब एड्रेस निम्नवत् है -
https://jansunwai.up.nic.in
2- मुख्यमंत्री कार्यालय, लोक शिकायत अनुभाग-5 के कार्यालय-ज्ञाप में ई-मेल के माध्यम से प्रेषित आवेदकों की शिकायतों का संज्ञान न लिये जाने का प्रावधान है। अतः आपसे निवेदन है कि अपनी शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु जनसुनवाई पोर्टल का प्रयोग करते हुए अपनी शिकायत दर्ज कराने का कष्ट करें।
धन्यवाद।
मुख्यमंत्री कार्यालय, उ०प्र०
नोट- वेबसाइट या जनसुनवाई के मोबाइल app के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज की गयी शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा भी मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गहनता से की जाती है |
जनसुनवाई मोबाइल app डाउनलोड करने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें|
https://play.google.com/store/apps/details?id=in.nic.up.jansunwai.upjansunwai
शिकायत के वेबसाइट पर दर्ज होने के पश्चात की प्रक्रिया -
आपके मोबाइल पर sms/ईमेल के माध्यम से चौदह अंकों की शिकायत/सन्दर्भ पंजीकरण संख्या प्राप्त होगी | इस पंजीकरण संख्या एवं दर्ज मोबाइल नंबर/ईमेल के माध्यम से आप किसी भी समय अपनी शिकायत की स्थिति सीधे वेबसाइट या मोबाइल app पर देख सकते हैं एवं निस्तारण के पश्चात निस्तारण आख्या भी देख सकते हैं |
इसके अतिरिक्त किसी भी स्तर पर शिकायत के अधिक समय तक लंबित रहने पर आप अपनी शिकायत का रिमाइंडर भी भेज सकते हैं तथा निस्तारण आख्या से असंतुष्टि की दशा में अपना फीडबैक भी पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं| आपके फीडबैक का मूल्यांकन निस्तारणकर्ता अधिकारी से एक स्तर उच्च अधिकारी द्वारा किया जाएगा|
मूल्यांकन में आपकी आपत्तियों से सहमति की दशा में आपका संदर्भ/शिकायत पुनर्जीवित हो जायेगी, तथा उसका पुनः परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा|

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर
जय भारत! जय भारत! जय भारत!
१२ नवंबर २०२५

श्री विष्णु देव सहाय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ
डी.के.एस. भवन,
रायपुर, छत्तीसगढ,
भारत- ४९२००१

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बनें
संदर्भः भारत का एक राज्य छत्तीसगढ में गौमाता को राजमाता का सम्मान प्राप्त हो

जय भारत!
भारतीय संस्कृति में गौ माता को प्रथम दृष्ट्या पूजित व सम्मान दिया जाता है, कारण यह है कि 'गौ माता' से मिले चरणामृत दूध, दही, मूत्र, गोबर इत्यादि इंसानों के साथ प्राकृतिक संवर्धन के लिए भी उत्तम होता है।
निवेदन यह है कि **'गौ माता'** को छत्तीसगढ में **'राजमाता'** का सम्मान दिया जाए, ताकि हम भारतीयों को आत्मिक प्रसन्नता हो।
हमें विश्वास है कि आपके द्वारा हमारे निवेदन पर जरूर ध्यान दिया जाएगा।
जय भारत! जय गौ माता!

निवेदक / **प्रकल्प प्रमुख** (as above)
सुरेश मुंदड़ा, संबलपुर — मो. 9437061411
और विश्व में फैले भारतीय...
आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'
राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-28509999, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in

1

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री कार्यालय से जवाब आया है

Vishnu Dev Sai — Tue, Nov 18, 2025, 4:26 PM
Received your mail. Thanks, ---- On Fri, 14 Nov 2025 14:05:54 +0530 bijay jain <mainbharathunfoundation@gmail.com> wrote --- Please Check the attachment.

Vishnu Dev Sai via gov.in — Fri, Apr 3, 4:44 PM
to me

Received your mail.

Thanks
--

Office of the Hon'ble Chief Minister
Chhattisgarh

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
Remove INDIA Name From The Constitution
INDIA GATE का नाम 'भारतद्वार' लिखवायें

मैं भारत हूँ फाउंडेशन — भारत को 'भारत' ही बोला जाए — www.mainbharathun.co.in

अनमोल राष्ट्रीय प्रयास

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

जय भारत! जय भारत! जय भारत!

दिनांकः ०७ जनवरी २०२६

श्री मंगूभाई छगनभाई पटेल
राजभवन, रोशनपुरा रोड,
भोपाल, मध्य प्रदेश,
भारत-४६२००३

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बनें
संदर्भः भारत का एक राज्य आसाम में
गौमाता को 'राज्यमाता' का सम्मान प्राप्त हो

जय भारत!
भारतीय संस्कृति में गौ माता को प्रथम दृष्ट्या पूजित व सम्मान दिया जाता है, कारण यह है कि 'गौ माता' से मिले चरणामृत दूध, दही, मूत्र, गोबर इत्यादि इंसानों के साथ प्राकृतिक संवर्धन के लिए भी उत्तम होता है। निवेदन यह है कि **'गौ माता'** को आसाम में **'राज्यमाता'** का सम्मान दिया जाए, ताकि हम भारतीयों को आत्मिक प्रसन्नता हो। हमें विश्वास है कि आपके द्वारा हमारे निवेदन पर जरूर ध्यान दिया जाएगा।
जय भारत! जय गौ माता!

निवेदक

राष्ट्रीय अध्यक्ष – विजय कुमार जैन, मुंबई – मो. 9322307908
राष्ट्रीय महामंत्री – शोभा सादानी, कोलकाता – मो. 8910628944
राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष – डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा – मो. 9414183919
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष – निशा लड्ढा, कोलकाता – मो. 9830224300
पद्मश्री व प्रसिद्ध भजन गायक – अनुप जलोटा, मुंबई – मो. 9821069089
राष्ट्रीय सांस्कृतिक निर्देशक – दिलिप सेन, मुंबई – मो. 93228 66476
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री – वर्षा मूंधड़ा, कोलकाता – मो. 9874272916
पूर्वांचल उपसभापति – सुशीला पुगलिया, कोलकाता – मो. 8617203712
उपाध्यक्ष – कांता गगरानी, आगरा – मो. 9837888088
राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री – रवि जैन, मुंबई – मो. 8108843571
उत्तरांचल उप सभापति – पूरण डावर, आगरा – मो. 9837065440
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक – अरूण मूंधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका – मो. 01(919)610-7106
अंतर्राष्ट्रीय संयोजक – किशोर जैन, लंदन, यूके – मो. 044(770)3827595

प्रकल्प प्रमुख

राष्ट्र सेविका – किरण लड्डा, दिल्ली – मो. 9871605944
प्रसिद्ध उद्योगपति – प्रकाश बियानी, दिल्ली – मो. 7895815961
पूर्व अध्यक्ष NICS, Bharat – ममता बिन्नानी, कोलकाता – मो. 9831099551
मिसेस भारत युनिवर्स – रूपल मोहता, खामगांव – मो. 8989919898
मिसेस भारत युनिवर्स – सिद्धि जोहरी, जोधपुर – मो. 7023043164
प्रसिद्ध उद्योगपति व ब्लॉगर – श्रद्धा गट्टानी, उदयपुर – मो. 9314664412
प्रसिद्ध उद्योगपति – संगीता बियानी, भुसावल – मो. 9822536111
सुरेश मुंदड़ा, संबलपुर – मो. 9437061417
नंदकिशोर माहेश्वरी, ढेंकनाल – मो. 9437074044
घनश्याम पेड़ीवाल, भुवनेश्वर – मो. 9437086896
सुशील राठी, बालासोर – मो. 9437559297
सुनील कोठारी, कटक – मो. 9338104702
दिनेश करनानी, बालासोर – मो. 9937212483

और विश्व में फैले भारतीय...

आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-4015 8094, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in

◆ कोलकाता कार्यालय ◆ १५/१, शोभाराम बैसाख स्ट्रीट, १ तल्ला, महेश्वरी बालिका स्कूल के सामने, आलू पोस्ता के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता, प. बंगाल, भारत- 700007 फोन : 033-71481571
◆ उड़ीसा कार्यालय ◆ सुरेश मुंदड़ा, नौपाड़ा, पो. खेतराजपुर, जिला-संबलपुर, उड़ीसा, भारत- 768003 मो. 9437061417
◆ यूएसए ◆ 5501 रीजेंसी ड्राइव, शुगर लैंड, मेट्रो ह्यूस्टन, TX, यूएसए- 77479 फोनः +1-919-610-7106 (USA) ईमेलः mundra.arun@gmail.com
◆ यूनाइटेड किंगडम ◆ 76 गेड़नेय एवेन्यू, लीसेस्टर, LE4 7GT, यूके फोनः + 44 7703827595 ईमेलः kishorjain@hotmail.co.uk

मध्यप्रदेश के पशुपालन कार्यालय से जवाब आया है

Neelam Jain < sapiorajbhavan@mp.gov.in >
Tue, 21 Apr 2026 10:12:19 AM +0530

To "Principal Secretary Veterinary Govt Of MP"<psveterinary@mp.gov.in>

प्रति,

प्रमुख सचिव,
मध्य प्रदेश शासन,
पशुपालन एवं डेयरी विभाग,
मंत्रालय वल्लभ भवन,
भोपाल म.प्र.

विषय:- राज्यपाल सचिवालय को प्राप्त आवेदन/मांग-पत्र/शिकायती आवेदन पत्र के निराकरण बावत्।

----0000----

राज्यपाल सचिवालय को प्राप्त आवेदन/मांग-पत्र/शिकायती आवेदन इस अनुरोध के साथ प्रेषित हैं कि कृपया संबंधित के द्वारा आवेदन पत्र में उठाए गए बिन्दुओं के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर आवेदक/आवेदिका को भी अवगत कराने का कष्ट करें।
नीलम जैन
राज्यपाल के विशेष सहायक
लोक भवन,मध्यप्रदेश

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

जय भारत! जय भारत! जय भारत!

०५ जनवरी २०२६

श्री श्याम सिंह राणा
पशुपालन मंत्री, हरियाणा
पशुधन भवन, सेक्टर-२,
पंचकूला, हरियाणा,
भारत - १३४१०९

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बनें
संदर्भः भारत का एक राज्य हरियाणा में
गौमाता को राजमाता का सम्मान प्राप्त हो

जय भारत!
भारतीय संस्कृति में गौ माता को प्रथम दृष्ट्या पूजित व सम्मान दिया जाता है, कारण यह है कि 'गौ माता' से मिले चरणामृत दूध, दही, मूत्र, गोबर इत्यादि इंसानों के साथ प्राकृतिक संवर्धन के लिए भी उत्तम होता है।
निवेदन यह है कि **'गौ माता'** को **हरियाणा** में **'राजमाता'** का सम्मान दिया जाए, ताकि हम - भारतीयों को आत्मिक प्रसन्नता हो।
हमें विश्वास है कि आपके द्वारा हमारे निवेदन पर जरूर ध्यान दिया जाएगा।
जय भारत! जय गौ माता!

निवेदक … **प्रकल्प प्रमुख** …

और विश्व में फैले भारतीय...

आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-28509999, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in

◆ कोलकाता कार्यालय ◆ १५/१, शोभाराम बैसाख स्ट्रीट, १ तल्ला, महेश्वरी बालिका स्कूल के सामने, आलू पोस्ता के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता, प. बंगाल, भारत- 700007 फोन : 033-71481571
◆ उड़ीसा कार्यालय ◆ सुरेश मुंदड़ा, नौपाड़ा, पो. खेतराजपुर, जिला-संबलपुर, उड़ीसा भारत- 768003 मो. 9437061411
◆ न्यू जर्सी ◆ 40 न्यूपोर्ट पार्कवे, अपार्टमेंट 3115, जर्सी सिटी, न्यू जर्सी- 07310 ईमेलः Nihal.b.jain@gmail.com Jain.nihal98@gmail.com
◆ यूएसए ◆ 5501 रीजेंसी ड्राइव, शुगर लैंड, मेट्रो ह्यूस्टन, TX, यूएसए- 77479 फोनः +1-919-610-7106 (USA) ईमेलः mundra.arun@gmail.com
◆ यूनाइटेड किंगडम ◆ 76 गेड़नेय एवेन्यू, लीसेस्टर, LE4 7GT, यूके फोनः + 44 7703827595 ईमेलः kishorjain@hotmail.co.uk

हरियाणा के पशुपालन कार्यालय से जवाब आया है

ईमेल
क्रंमाक 12540 जी0डी0ओ0 दिनांक 20/04/2026

प्रेषक

महानिदेशक,
पशुपालन एवम् डेयरिंग विभाग,
हरियाणा, पंचकूला।

प्रेषित

मैं भारत हूँ फाउंडेशन,
ईमेलः-mainbharathufoundation@gmail.com,

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बने संदर्भः भारत का एक राज्य हरियाणा में गौमाता को राजमाता का सम्मान प्राप्त हो।

यादि,

उपरोक्त विषय के सम्बध में आपको सूचित किया जाता है कि विषय वर्णित मामले पर कार्यवाही करना इस कार्यालय के कार्यक्षेत्र में नही है यह आपको सूचनार्थ प्रेषित है।

कृतेः महानिदेशक, पशुपालन एवम् डेयरी विभाग,
हरियाणा, पंचकूला।

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

जय भारत! जय भारत! जय भारत!

१३ नवंबर २०२५

श्रीमती रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली
दिल्ली सचिवालय, ३ स्तर,
आईपी एस्टेट, नई दिल्ली,
भारत - ११०००२

विषयः 'गौ माता' राष्ट्रमाता बनें
संदर्भः भारत का एक राज्य दिल्ली में
गौमाता को राजमाता का सम्मान प्राप्त हो

जय भारत!
भारतीय संस्कृति में गौ माता को प्रथम दृष्ट्या पूजित व सम्मान दिया जाता है, कारण यह है कि 'गौ माता' से मिले चरणामृत दूध, दही, मूत्र, गोबर इत्यादि इंसानों के साथ प्राकृतिक संवर्धन के लिए भी उत्तम होता है।
निवेदन यह है कि **'गौ माता'** को दिल्ली में **'राजमाता'** का सम्मान दिया जाए, ताकि हम भारतीयों को आत्मिक प्रसन्नता हो।
हमें विश्वास है कि आपके द्वारा हमारे निवेदन पर जरूर ध्यान दिया जाएगा।
जय भारत! जय गौ माता!

निवेदक … **प्रकल्प प्रमुख** …

और विश्व में फैले भारतीय...

आव्हानः 'एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

राष्ट्रीय कार्यालयः बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत-400059
फोन : 022-28509999, ईमेल : mainbharathunfoundation@gmail.com, वेबसाइट : www.mainbharathun.co.in

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय से जवाब आया है

CM DELHI cmdelhi@nic.in via nic.in — Thu, Nov 13, 2025, 2:55 PM
to min-Law-Labour-Emp-Dev.-ACL-Tourism, me

Sir,
This email has been received on Hon'ble Chief Minister's Delhi official email ID and pertaining to department under the jurisdiction of The Hon'ble Minister. It is being forwarded to your office for your kind perusal & further necessary action.

Regards,
Office of the Chief Minister, Delhi

bijay jain — Mon, Apr 20, 2:29 PM (21 hours ago)
Please provide a reply to the above email. We have been waiting for a response for almost 5 months. Thank you

CM DELHI via nic.in — Mon, Apr 20, 5:30 PM (18 hours ago)
to Minister, me

Sir,
kindly refer the trail mails, the sender has mentioned that no action has been taken by the concerned officer/ official till date. Therefore, it is requested to look into the matter and take further necessary action.

Regards,
Office of the Chief Minister, Delhi

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908

Follow for more updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे
जय भारत! जय-जय राजस्थान
Remove INDIA Name From The Constitution

सेवा, साधना, समर्पण और संस्कारों की जीवंत मिसाल -सुभाषचंद रांका

राजस्थान की पावन मरुधरा में जन्मे, सेवा, संस्कार और समर्पण की सजीव प्रतिमूर्ति श्री सुभाषचंदजी रांका (भामाशाह संघवी सेठ कन्हैयालालजी रांका व श्रीमती सुन्दरबाई रांका के सुपुत्र) आज समाज, धर्म और मानवता के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हैं। आपका जन्म वर्ष १९४६ में पुणे (ननिहाल) में हुआ, जबकि आपकी पैतृक जन्मभूमि राजस्थान के पाली जिले का 'जैतारण' है। आपकी कर्मभूमि 'चेन्नई' रही, जहाँ आपने अपने परिश्रम, दूरदृष्टि और ईमानदारी से एक सफल व्यवसायिक यात्रा का निर्माण किया। आपने B.Sc. की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात ऑटोमोबाइल क्षेत्र में प्रशिक्षण लिया और तत्पश्चात अपने स्वयं के प्रतिष्ठान 'Subhash Auto Enterprises' की स्थापना की, जो आपकी मेहनत और नेतृत्व का सशक्त उदाहरण है। आपके पूज्य माता-पिता संघवी सेठ श्री कन्हैयालाल जी रांका एवं श्रीमती सुंदरबाई रांका के संस्कारों ने आपके जीवन को सेवा, सहयोग और समाजहित की दिशा दी।

भामाशाह संघवी सेठ कन्हैयालालजी रांका

श्रीमती सुन्दरबाई रांका

के. सुभाषचंदजी रांका
वरिष्ठ समाजसेवी व उद्योगपति
जैतारण निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9384602854

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती कस्तूरी बाई के सहयोग से आपका परिवार आज एक सुदृढ़ और संस्कारित परिवार के रूप में प्रतिष्ठित है। आपके ६ सुपुत्रियाँ एवं १ सुपुत्र हैं, जो परिवार की गरिमा को आगे बढ़ा रहे हैं।

मंदिर व दादावाड़ी निर्माण वैयावच्च सेवा एवं धार्मिक आयोजनों में आपकी सक्रिय भूमिका अत्यंत सराहनीय है। विशेष रूप से शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में योगदान, गौशालाओं के प्रति समर्पण तथा नारी सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रयासरत हैं। आपके सेवा कार्यों को समाज में अत्यंत सम्मान प्राप्त है।

सम्मान एवं अलंकरण-आपको विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है:

राजस्थानी एसोसिएशन, तमिलनाडु द्वारा –'राजस्थान रत्न', ब्यावर एसोसिएशन चेन्नई द्वारा– 'ब्यावर रत्न', श्री जैतारण ओसवाल जैन संघ, चेन्नई द्वारा – 'शताब्दी गौरव' ये सम्मान आपके समाज के प्रति अतुलनीय योगदान का प्रतीक हैं। आप अनेक सामाजिक, शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थाओं में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं और वर्तमान में भी सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

मिश्रीमल नवाजी मुनोत जैन इंजीनियरिंग एवं आर्किटेक्चर कॉलेज के पूर्व वित्त निदेशक, डी.बी. जैन कॉलेज के काउंसिल सदस्य, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक मुख्य संरक्षक, महावीर राजस्थानी इंटरनेशनल स्कूल के उपाध्यक्ष, वर्ल्ड वेज काउंसिल उपाध्यक्ष के पूर्व उपाध्यक्ष, श्री जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष, राजस्थानी एसोसिएशन व ब्यावर एसोसिएशन के प्रबंध न्यासी, श्री महावीर जैन इंटरनेशनल मिशन के न्यासी एवं पूर्व अध्यक्ष, सेठ रतनचंद कन्हैयालाल रांका जैन नेत्र चिकित्सालय के न्यासी, वर्धमान जैन शिक्षण संघ, ब्यावर व गुरुप्रिया विज़न रिसर्च फाउंडेशन के ट्रस्टी, के. एस. रांका जैन फाउंडेशन व सेठ कन्हैयालाल सुंदरबाई रांका जैन चैरिटेबल के चेयरमेन, काइंड इंस्टिट्यूट के ट्रस्टी, प्लेटिनम भावांजलि ट्रस्ट, श्री जैन सहायक समिति, जैतारण पट्टी ओसवाल संघ व अन्य २० विशिष्ट संस्थाओं से जुड़े हैं। आपका नेतृत्व, मार्गदर्शन और समर्पण अनेक संस्थाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सुभाष जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं, जैतारण एक तहसील है, जिसके अंतर्गत १४४ गांव आते हैं, पहले यह 'झंडेवाला' गांव के नाम से विख्यात था, पंचायत होती थी, यहां पर मरुधर केसरी मिश्रीमल जी की मोक्षस्थली पावन धाम और रुपमुनि जी महाराज की मोक्षस्थली रजत धाम है। यहां पानापाती ट्रस्ट के अंतर्गत रोटरी क्लब के तत्वाधान में सेठ रतनचंद कन्हैयालाल रांका नेत्र चिकित्सालय, वेटरिनरी हॉस्पिटल और बालिका विद्यालय एवं लाइब्रेरी का निर्माण करवाया गया।, अस्पताल की स्थापना १९८४ में की गई थी और २००२ से इस अस्पताल में जरूरतमंदों को कम खर्चे में ऑपरेशन कर इलाज किया जाता है, आसपास के लगभग ढाई सौ किलोमीटर के क्षेत्र से लोग यहां इलाज के लिए आते हैं, हर साल लगभग ८००० आंखों के ऑपरेशन होते हैं, यह जैन समाज की सबसे बड़ी संस्था मानी जाती है। जैतारण ओसवाल जैन संघ चेन्नई के द्वारा श्री भगवान महावीर जैन गौशाला का निर्माण किया गया, पिछले कुछ वर्षों में यहां ४६०० गुंदे के पौधे लगाये गए व तीन बोरवेल का निर्माण किया गया है। यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, यहां तीन जैन मंदिर है, जिसका जिर्णोद्धार करवाया गया है। स्मशान भूमि भी बनायी गयी है। जैन मंदिरों में **शेष पृष्ठ ३३ पर...**

पृष्ठ ३२ से... तीन जैन मंदिर और एक दादावाड़ी है, जिसमें सबसे प्राचीन मंदिर तीर्थंकर विमलनाथ जी का शिखरबद्ध मंदिर है, जो लगभग ४५० वर्ष पुराना है। दादावाड़ी में हमारे परिवार द्वारा ध्वजा चढ़ाई गई है। पहले के मुकाबले 'जैतारण' बहुत विकसित हो चुका है, सरकार द्वारा माध्यमिक व कन्या विद्यालय व महाविद्यालय संचालित है। आर्थिक रूप से भी 'जैतारण' उत्तम है, यहां की अनाज मंडी व जीरा मंडी प्रसिद्ध है, इसके अलावा 'जैतारण' के आसपास तीन सीमेंट फैक्ट्रियां भी बन गई हैं, सरकार द्वारा यहां रेलवे लाइन लाने का भी प्रयास किया जा रहा है। 'जैतारण' में जैन मंदिर के अलावा कई सनातन समाज के मंदिर और गौशालाएं भी है। 'जैतारण' से कई डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, उद्योगपति, सांसद, विधायक, मंत्री हुए हैं, जो देश के विभिन्न भागों में बसे हैं और 'जैतारण' का नाम रोशन कर रहे हैं ऐसी और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' की....

गाय को 'राष्ट्र माता' का सम्मान निश्चित रूप से मिलना ही चाहिए, यही हमारी संस्कृति और विरासत है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि बिल्कुल हमारे देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, 'भारत' हमारी पहचान है।

जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

धर्मीचंद मुथा

व्यवसायी व समाजसेवी

जैतारण निवासी-चेन्नई प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9710338800

धर्मीचंद जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' के विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले 'जैतारण' एक गांव जैसा था, आज शहर की तुलना करने लगा है, जहां हर तरह की सुविधा और व्यवस्थाएं हैं। आवागमन के अच्छे साधन हैं, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल की संख्या अच्छी हो गई है, यहां का बाजार भी बहुत अच्छा है, विशेषकर 'जीरा' के लिए जाना जाता है। 'जैतारण' का सामाजिक माहौल भी उत्तम है, हर समाज के लोग बसे हैं, लोगों में आपसी मेल-मिलाप अच्छा है। यहां जैन समाज के भी कई मंदिर और स्थानक बने हुए हैं, समाज द्वारा यहां विद्यालय व आय हॉस्पिटल भी संचालित है। 'जैतारण' विशेष रूप से 'पावन धाम' के लिए जाना जाता है, जहां दर्शन के लिए पूरे भारत से लोग आते हैं, यहां लोगों के ठहरने और रहने की उत्तम व्यवस्था है। 'जैतारण' में कई देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं। 'जैतारण' की सबसे बड़ी गौशाला श्री महावीर गौशाला है, जिसमें ओसवाल संघ द्वारा ५००० से भी अधिक गुंदा के पेड़ लगाए गए हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में.....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय की सेवा सबसे बड़ी सेवा मानी जाती है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम रहना चाहिए 'भारत'!

धर्मीचंद जी मूलतः 'जैतारण' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है। यहां आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संगठनों से सक्रिय है। आनंद जैन विद्यालय चेन्नई और जैतारण ओसवाल जैन संघ चेन्नई में विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

सुमतिलाल जैन साकलेचा

व्यवसायी व समाजसेवी

जैतारण निवासी-सिंधनुर प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9019721637

सुमतिलाल जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जैतारण' में बहुत अंतर आ गया है, पहले के मुकाबले इंफ्रास्ट्रक्चर बहुत विकसित हुआ है, आज हर तरह की सुविधाएं हैं, आवागमन के अच्छे साधन हैं, रोजगार की भी उपलब्धता बढ़ गई है, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल की संख्या बढ़ गई है और यह सब बदलाव का मुख्य कारण है 'पावन धाम', जो मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा. की मोक्षस्थली है, यहां पूरे भारत से श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, यहां लोगों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था है, यह आस्था का मुख्य केंद्र बन गया है, सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'जैतारण' बहुत ही उत्तम है, हर समाज के लोगों के बीच आपसी मेल-मिलाप अच्छा है, यहां जैन समाज के मंदिर, स्थानक, छात्रावास और गौशालाएं भी हैं, सनातन धर्म के बाबा रामदेव जी का मंदिर व अन्य कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं। 'जैतारण' नेशनल हाईवे से जुड़ा होने के कारण यहां के विकास को गति प्राप्त हुई है। आज जैन समाज के अधिकतर लोग रोजगार के लिए बाहर जाकर बस गए हैं, ऐतिहासिकता की बात की जाए तो 'जैतारण' में प्राचीन समय की हवेलियां, बावड़ियां और छतरियां हैं। 'जैतारण' की अनाज मंडी और जीरा मंडी आसपास के क्षेत्रों में सबसे बड़ी है, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान निश्चित रूप से मिलना चाहिए, गाय हमारे लिए पूजनीय है उनकी सेवा और सुरक्षा जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत'!

सुमतिलाल जी मूलतः राजस्थान स्थित 'जैतारण' के निवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा कर्नाटक के 'सिंधनुर' में संपन्न हुई है, यहां आप चावल ट्रेडिंग के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी यथासंभव सक्रिय रहते हैं, गुरु-भगवंतों की सेवा करना आपके जीवन का मुख्य उद्देश्य है।

जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

महेंद्र बजाज

व्यवसायी व समाजसेवी

जैतारण निवासी-इचलकरंजी प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9423040081

महेंद्र जी अपनी जन्मभूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जैतारण' आज बहुत बदल चुका है, पहले यह छोटा सा गांव जैसा था, आज एक सुविधा संपन्न क्षेत्र बन गया है, जहां हर तरह की सुविधा आसानी से प्राप्त हो जाती है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बहुत अधिक हुआ है, स्कूल-कॉलेज-अस्पताल अच्छे बन गए हैं, पहले जहां सीमित विद्यालय ही थे, पर यह शिक्षा का हब था, आसपास के गांव के विद्यार्थी यहीं शिक्षा ग्रहण करने आते थे, आज कॉलेज भी बन गए हैं और स्टेडियम भी बनने जा रहा है, सभी तहसील अधिकारियों का कार्यालय 'जैतारण' में ही स्थित है। 'जैतारण' के अंतर्गत लगभग २० गांव आते हैं, यहां हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, सभी के बीच आपसी मेल-मिलाप अच्छा है। 'जैतारण' पहले जोधपुर रियासत के अंतर्गत आता था, आज 'जैतारण' में उद्योग व्यापार भी अच्छे होने लगे हैं, चार सीमेंट की कंपनियां है, जिसके कारण यहां का विकास बहुत तेजी से हो रहा है, कृषि क्षेत्र में भी यहां जीरा, मूंग जैसी फसलों की पैदावार अच्छी होती है, इसीलिए यहां जीरा मंडी व अनाज मंडी भी है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी यह स्थान बहुत ही महत्व रखता है, सर्वप्रथम यह जैन समाज के लिए मुख्य धार्मिक केंद्र है, मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा. की मोक्षस्थली है, जहां पावन धाम बना हुआ है, जो बड़े भूभाग में फैला है, इस पावन धाम में अस्पताल, गौशाला व रहने की उत्तम व्यवस्था है, वर्षभर लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। हिंदू देवी-देवताओं के भी कई मंदिर हैं, शीतला माता मंदिर के पास एक तालाब है, जो मान्यता प्राप्त मंदिर है इसके अलावा भी कई देवी-देवताओं के मंदिर है। 'जैतारण' में कई गौशालाएं हैं जो 'जैतारण' को और भी सुंदर बना देते हैं, इसके अलावा कई प्राचीन चीजें हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में...

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हमारे लिए ईश्वर के समान है, उनकी पूजा की जाती है, इसीलिए उनकी सेवा सुरक्षा जरूरी है। 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

महेंद्र जी मूलतः राजस्थान के ब्यावर जिले में स्थित 'जैतारण' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा 'जैतारण' में ही संपन्न हुई है। १९७२ से आप महाराष्ट्र के 'इचलकरंजी' में बसे हैं और कपड़ा व्यवसाय से जुड़े हैं, साथ ही यथासंभव सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

सूर्य प्रकाश नाबरिया

उपाध्यक्ष अखिल भारतीय साधुमार्गी जैन संघ आंध्रा अंचल

जैतारण निवासी-हैदराबाद प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9848035120

सूर्य प्रकाश जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'जैतारण' में काफी अंतर आ गया है। विकास बहुत तेजी से हुआ है, हर तरह की सुविधाएं मिलने लगी हैं, आवागमन के साधन अच्छे हो गए हैं, इंडस्ट्रीज भी स्थापित है। यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर समाज के लोग बसे हुए हैं, यहां की सबसे बड़ी विशेषता यह श्रमण सूर्य, दिव्य विभूति, गुरूदेव, प्रवर्तक मरूधर केसरी परम पुज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा. एवं लोकमान्य सन्त, शेरे राजस्थान, अहिंसा दिवाकर, राष्ट्रसंत, प्रज्ञा-प्रौरूषोतम, वरिष्ठ प्रवर्तक परम पुज्य गुरुदेव श्री रूपचन्द जी म.सा. की मोक्ष स्थली है, जो पावन धाम के नाम से जानी जाती है। इसके अलावा यहां जैन समाज के कई मंदिर, स्थानक, दादावाड़ी व धर्मशालाएं हैं, सनातन समाज में कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिनमें शीतला माता जी का मंदिर उल्लेखनीय है, पीर नाडी है, प्राचीन समय के यहां गढ़, किले, हवेलियां भी हैं, ठाकुरों का गढ़ आज के समय में पुलिस चौकी है। कहते हैं कि यह गांव 'जैता गुजरी' नामक स्त्री द्वारा बसाया गया है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी आज 'जैतारण' बहुत ही उत्तम है, यहां कृषि के साथ-साथ छोटे-छोटे इंडस्ट्रीज में स्थापित हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में.....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय से मिलने वाली प्रत्येक वस्तु हमारे लिये बहुत ही उपयोगी होती है, इसलिए गायों की सुरक्षा और सेवा जरुरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम एक ही रहना चाहिए 'भारत'!

सूर्य प्रकाश जी मूलतः राजस्थान के ब्यावर जिले में स्थित 'जैतारण' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'जैतारण' में ही संपन्न हुई है, हैदराबाद में केमिकल का व्यापार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। श्री गुरु गौतम विमल शांति गौशाला के ट्रस्टी हैं, जो २३ सदस्य द्वारा संचालित है, वर्तमान में इस गौशाला में ९० गाय हैं। श्री जैन श्रावक संघ कोरा के कार्याध्यक्ष व साधुमार्गी जैन संघ आंध्रा अंचल के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं।

जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

ध्वज रंगीला गाय का, लहर-लहर लहराय। धर्म सनातन कहता यही, देखे मन हर्षाय।।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान को समर्थन दिया जाय।।।

राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूं फाउंडेशन

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

डॉ. भीकमचंद साकलेचा

बाल रोग विशेषज्ञ
जैतारण निवासी-बेंगलुरु प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9845023991

भीकमचंद जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि प्राकृतिक रूप से 'जैतारण' बहुत ही सुंदर और रमणीय स्थान है, जहां जाकर मन प्रसन्नचित हो जाता है। पहले और आज के 'जैतारण' में काफी अंतर आ गया है, लोगों के रहन-सहन में काफी सुधार हुआ है, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हुआ है, स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल की संख्या बढ़ गई है। आवागमन के साधन बढ़ गए हैं। आज 'जैतारण' में जैन मंदिर, स्थानक भी है। नेत्र चिकित्सालय भी बहुत बढ़िया है। आसपास के क्षेत्र से भी लोग यहां इलाज के लिए आते हैं, यहां की सबसे बड़ी विशेषता मरुधर केसरी मिश्रीमल जी की मोक्षस्थली 'पावन धाम' है, जहां लोगों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था है। पूरे भारत से श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। 'जैतारण' में कई गौशालाएं भी संचालित हैं, ऐसी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य प्राप्त होना चाहिए, उनकी सेवा सुरक्षा जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि 'भारत' हमारे देश का मूल नाम है, जो सदियों से हमारी पहचान रही है, पर आज इंडिया हमारे जीवन में रचा बसा है, जिसे निकालना जरूरी है और यह कार्य सरकार द्वारा ही संभव किया जा सकता है।

भीकमचंद जी 'जैतारण' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण प्रारंभिक शिक्षा कर्नाटक के 'सिंधनुर' में संपन्न हुई है, उच्च शिक्षा आपने 'बेंगलुरु' में संपन्न की है, यहां आप ५० सालों से बसे हुए हैं और बाल रोग चिकित्सक के रूप में प्रसिद्ध हैं, साथ ही आप समाज कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। हीरा बाग जैन स्थानक व जैन महासंघ के अध्यक्ष पद पर सक्रिय हैं, जरूरतमंदों की सेवा उपलब्ध कराना, साधु संतों की सेवा और आहार विहार की व्यवस्था करना अपना मुख्य कर्तव्य मानते हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

दिलीप नाबरिया

सचिव जैतारण ओसवाल संघ तमिलनाडु
जैतारण निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9841061839

दिलीप जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं की उल्लेख करते हुए कहते हैं कि आज 'जैतारण' बहुत ही विकसित है, आज से ५० साल पहले की बात की जाए तो बिजली की भी सुविधा नहीं थी, आवागमन के साधन सीमित थे, पर आज हर तरह की सुविधाएं हैं, जब भी जाते हैं बहुत ही अच्छा अनुभव प्राप्त होता है, एक सुखद वातावरण मिलता है, यहां का सामाजिक माहौल बहुत उत्तम है, लोग सहयोगी और मिलनसार प्रवृत्ति के हैं, यहां समस्त राजस्थानी समाज निवास करता है, जैन समाज के सभी संप्रदाय यहां बसे हुए हैं, यहां की सबसे बड़ी विशेषता यहां का मरुधर केसरी मिश्रीमल जी की मोक्षस्थली है, जो 'पावन धाम' के नाम से जानी जाती है, जहां पूरे भारत से दर्शन के लिए आते हैं, इसके अलावा चार जैन मंदिर और दादावाड़ी भी बनी हुई है, तीर्थंकर विमलनाथ जी का मंदिर सबसे प्राचीन और प्रमुख माना जाता है जो हजार साल से भी अधिक प्राचीन है। सनातन देवी-देवताओं के भी कई मंदिर हैं, यहां के हर मोहल्ले में भेरुजी का मंदिर बना हुआ है, शीतला माता जी का मंदिर, हनुमान जी का मंदिर, गणेश जी का मंदिर भी बना हुआ है, शीतला माता जी की विशेष मान्यता है, यहां प्राचीन समय की हवेलियां भी हैं, जिनमें छल्लानी जी की हवेली अधिक सुंदर है, इसके अलावा प्राचीन समय का किला है, जिसके परकोटे आज भी मौजूद हैं और एक दरवाजा भी है। 'जैतारण' आज एक तहसील है, जो ब्यावर जिले के अंतर्गत आता है, जहां हर तरह की सरकारी सुविधा उपलब्ध है और सरकार द्वारा यहां रेलवे के लिए भी बजट पास किया गया है। वर्तमान में यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन बर और रायपुर है। 'जैतारण' नेशनल हाईवे से भी जुड़ा हुआ है। आर्थिक रूप से भी 'जैतारण' समृद्ध है, यहां की जीरा मंडी सबसे अधिक विख्यात है, पिछले कुछ सालों में यहां १५ किलोमीटर के दायरे में चार-पांच सीमेंट फैक्ट्रियां भी लगी हैं, जिससे यहां के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिल रहा है, वर्तमान राज्य मंत्री अविनाश गहलोत जी का बड़ा सहयोग प्राप्त हो रहा है। 'जैतारण' में कई गौशालाएं हैं, जैन समाज द्वारा भी यहां गौशाला संचालित है, जो श्री महावीर जैन गौशाला के नाम से विख्यात है, ऐसी और कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में.....

जैतारण ओसवाल संघ तमिलनाडु के प्रबंधन के तहत हमने जैतारण स्थित महावीर गौशाला में ४००० पेड़ लगाए हैं, जो पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, पूरी तरह से विकसित होने पर 'जैतारण' के आसपास के क्षेत्रों का समग्र तापमान २ से ३ डिग्री तक कम कर देंगा।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए।

दिलीप जी का जन्म सम्पूर्ण शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है, यहां कारोबार से जुड़े हैं, साथ कई सामाजिक संगठनों में भी सक्रिय हैं। 'जैतारण' स्थित महावीर गौशाला के सचिव पद पर कार्यरत हैं। लॉयंस क्लब व अन्य कई सामाजिक संगठन से जुड़े हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

गोशाला में झण्डे लगे, गो-माता हर्षाय। करें गाय की वंदना, गाय बढ़ाती आय।।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान को समर्थन दिया जाय।।।

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908

मैं भारत हूं फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

Follow for more updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

सुभाषचंद तालेड़ा

अध्यक्ष श्री वर्धमान स्था. जैन श्रावक संघ कुकनूर

जैतारण निवासी-कुकनूर प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9448440478

सुभाष जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'जैतारण' से ३०किलोमीटर 'चावंडिया' गांव मेरा मूल निवास स्थान है, जो 'जैतारण' तहसील के अंतर्गत आता है, पहले और आज के 'जैतारण' में काफी अंतर आ गया है 'जैतारण' विशेषकर मरुधर केसरी मिश्रीमल जी की मोक्षस्थली पावन धाम के लिए जाना जाता है, जो पूरे भारत में विख्यात है, यहां लोग दर्शन के लिए आते हैं, यहां रहने-ठहरने की उत्तम व्यवस्था है। यहां का सामाजिक माहौल उत्तम है, हर धर्म व समाज के लोग बसे हैं, पहले और आज के 'जैतारण' में काफी विकास हुआ है, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल की व्यवस्था बढ़ गई है, आवागमन के साधन अच्छे हो गए हैं, हमारे 'चावंडिया' में भी जैन स्थानक हैं, 'जैतारण' में कई गौशालाएं भी हैं और भी कई व्यवस्थाएं हैं 'जैतारण' की... गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय की सेवा सबसे बड़ी सेवा मानी जाती है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, हमारे देश के वास्तविकता और इतिहास है।

सुभाष जी मूलतः राजस्थान के 'जैतारण' तहसील में स्थित 'चावंडिया' गांव के निवासी हैं, आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा कर्नाटक के कोप्पल जिले में स्थित 'कुकनूर' में संपन्न हुई है। यहां आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ कुकनूर के अध्यक्ष हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

सुदर्शनचंद छल्लाणी

पूर्व अध्यक्ष जैतारण ओसवाल संघ-चेन्नई

जैतारण निवासी-चेन्नई प्रवासी

भ्रमणध्वनि: 9840057333

सुदर्शनचंद जी अपनी पैतृक भूमि 'जैतारण' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि मेरे बचपन का 'जैतारण' बहुत ही उत्तम था, लोगों में आत्मीयता थी, एक दूसरे के प्रति सहयोग आदर्श और मनोहर होता था, पर आज यह सब कम हो गया है, पहले का 'जैतारण' सीमित क्षेत्रफल में बसा हुआ था, आज यह बहुत बड़े भूभाग में फैल गया है। 'जैतारण' जयपुर-जोधपुर नेशनल हाईवे पर स्थित है, जोधपुर से लगभग १०० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन 'बर' है जो सबसे पुराना है। 'जैतारण' का सामाजिक माहौल उत्तम है, ३६ कौम के लोग बसे हुए हैं, लोगों में आपसी मेल मिलाप अच्छा है। धार्मिक दृष्टिकोण से भी 'जैतारण' उत्तम है, यहाँ मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा. की मोक्षस्थली है और रूप मुनि जी महाराज की मोक्षस्थली भी यहीं पर स्थापित है, जो पावन धाम के नाम से जानी जाती है और दोनों ही स्थान एक ही परिसर में है, यह बहुत ही भव्य रूप में बना हुआ है, बाग बगीचे बने हुए हैं, लोगों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था है, इसीलिए विभिन्न क्षेत्रों से स्थानकवासी जैन समाज के लोग यहां दर्शन करने के लिए आते हैं। 'जैतारण' में कई जैन मंदिर हैं, यहां समय-समय पर चातुर्मास भी होता है। प्राचीन समय की यहां गढ़ हवेलियां भी हैं। 'जैतारण' पर किसी भी ठाकुर या राजा का आधिपत्य नहीं रहा, इसीलिए इसे झंडे वाला गांव के नाम से जाना जाता है। कहते हैं कि 'जैतारण' नाम 'जैत गुजरी' के नाम पर पड़ा, इसकी स्थापना १३५४ में हुई थी, यहां कई देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं, जो यहां की शोभा को और बढ़ा देते हैं। आर्थिक रूप से भी 'जैतारण' उन्नत है, आज यहां कई छोटी-बड़ी कंपनियां हैं, साथ ही यहां जीरे का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है, बहुत बड़ी मंडी है। 'जैतारण' में कई गौशालाएं हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'जैतारण' में.....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए। गाय में देवी-देवताओं का वास होता है, उनकी पूजा होती है, उनकी सेवा और सुरक्षा जरूरी है।

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, यही हमारे देश की वास्तविकता है।

सुदर्शन जी मूलतः राजस्थान स्थित 'जैतारण' के निवासी हैं। आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'कर्नाटक' में संपन्न हुई है, वर्तमान में आप 'चेन्नई' में बसे हुए हैं और कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं में भी सक्रिय हैं, लगभग ५० साल पहले 'जैतारण' निवासियों का संघ 'जैतारण पट्टी ओसवाल संघ-चेन्नई' की स्थापना में आपकी विशेष भूमिका रही है, आप अध्यक्ष भी रहे हैं, वर्तमान में विजय शांति जैन सहायक समिति के पिछले १२ सालों से अध्यक्ष पद की भूमिका निभा रहे हैं। जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार
की तरफ से 'राजस्थान स्थापना दिवस' पर हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए इंडिया नहीं

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतवर्ष' लिखवायें

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

जयप्रकाश पुरोहित
स्वीकृत नगर सेवक पुणे महानगरपालिका
बीकानेर निवासी-पुणे प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९४२२०८१६७८

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजस्थानी समाज के कर्मठ सदस्य कई वर्ष से सामाजिक व राजनिती में अग्रणी रहने वाले ४५ साल से अपना योगदान देनेवाले जयप्रकाश राधाकिशन पुरोहित को पुणे महानगरपालिका का स्वीकृत नगरसेवक पद सौंपा गया।
जयप्रकाश जी मूलतः राजस्थान स्थित 'बीकानेर' के निवासी हैं। आपका जन्म राजस्थान में, संपूर्ण शिक्षा 'पुणे' में संपन्न हुई है, यहां आप फार्मेसी और प्रॉपर्टी के क्षेत्र में कार्यरत हैं पर अपने पिता राधाकिशन की प्रेरणा और पारिवारिक वातावरण के कारण आपका राजनीतिक क्षेत्र में आना हुआ।
आपका कहना है कि ३० मार्च 'राजस्थान स्थापना दिवस' के उपलक्ष में 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के तत्वाधान में आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम बहुत ही उत्तम रहा, लोगों का अच्छा प्रतिशाद मिला, यह एक ऐसा मंच है जो समस्त राजस्थानी समाज को एकत्रित करना चाहता है और आगे बढ़ाना चाहता है। हालांकि इस कार्यक्रम मेरी कुछ ही समय के लिए उपस्थिति रही, पर लोगों प्रतिक्रिया अच्छी रही, ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए।
आयोजक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार द्वारा चलाया जा रहा 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत' यह हमारे देश के वास्तविकता है, इंडिया तो अंग्रेजों का दिया नाम है तो वह हमारी पहचान कैसे बन सकता है?
गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान निश्चित रूप से मिलना ही चाहिए, हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार गाय को ही माना गया है, गाय की पूजा की जाती है, इसलिए उनकी सेवा और सुरक्षा के लिए 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए। जय भारत! जय गौमाता! **-मेरा राजस्थान**

सुरेश लखोटिया
व्यवसायी व समाजसेवी
चूरू निवासी पुणे प्रवासी
भ्रमणध्वनिः ९८२३०९०४११

सुरेश जी मूलतः राजस्थान स्थित 'चूरू' के निवासी हैं। आपका जन्म और शिक्षा 'रांची' में संपन्न हुई है, पिछले ३० सालों से आप 'पुणे' में बसे हैं।
१९७६ में स्नातक होने के बाद आपने बिहार अलॉय स्टील लिमिटेड (MP बिड़ला समूह की एक कंपनी) में १२ वर्षों तक मार्केटिंग, योजना और खरीद (procurement) विभागों में काम किया। १९९१ में 'पुणे' में स्थापित 'एसआर ग्रुप' कंपनी, आज भारत की पहली पसंदीदा कंपनी है, जो भारत के स्टील, पेपर, एल्यूमिनियम और केमिकल उद्योग में उपयोग होने वाले कच्चे माल के निर्माण, प्रसंस्करण और आपूर्ति के लिए सक्रिय है। राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में ३० वर्षों तक विभिन्न उद्योगों का संचालन किया, जिसके माध्यम से आपने २००० परिवारों की आजीविका का ध्यान रखा। २०१० में CNBC आवाज़ द्वारा आपको 'सर्वश्रेष्ठ उद्यमी' (Best Entrepreneur) का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
माहेश्वरी सभा, पुणे के सदस्य हैं, MIG के अध्यक्ष रहे हैं, वर्तमान में MIG की LRPC के अध्यक्ष हैं। इंडियन फेरो अलॉय एसोसिएशन के सदस्य हैं।
आप एक अच्छे गायक हैं, विशेष रूप से भजन और गीत गाने में, संगीत वाद्ययंत्र विशेषकर कीबोर्ड बजाते हैं, अपने निवास और फैक्ट्री के आसपास सामाजिक गतिविधियों का आयोजन पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ करते हैं।
आपके परिवार में पत्नी मीना लखोटिया और ३ बेटियाँ - स्मृति, साक्षी और सृष्टि। सभी विवाहित हैं। पुत्र शुभम ने Disney World USA में काम करने के बाद, अब बिल्डरों के लिए वीडियो गेम बनाने का अपना व्यवसाय शुरू किया है।
सुरेश जी ३० मार्च को आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम के संदर्भ में कहते हैं कि 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम एक विशेष कार्यक्रम रहा, जिसमें पुणे की समस्त राजस्थानी संस्थाओं ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। राजस्थानी कला, संस्कृति, गीत, संगीत का अनुपम संगम रहा, इस भव्य कार्यक्रम को आयोजित करने का जिम्मा बिजय कुमार जैन जी ने उठाया, वह सराहनीय है, ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए, इस कार्यक्रम में व्यवस्था और अच्छी हो सकती थी, सभी संगठनों को मिलकर कार्य करना चाहिए था, जिससे यह कार्यक्रम और अच्छा होता, पर सभी संस्था अपना-अपना कार्यक्रम प्रस्तुत कर चले जा रहे थे, ऐसा नहीं होना चाहिए था, दर्शकों की उपस्थिति का पता ही नहीं चल रहा था।
'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन द्वारा चलाए जाने वाला 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि बहुत ही अच्छा अभियान है और ऐसा ही होना चाहिए, हमारे देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!
गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हम सभी के लिए पूजनीय है, उनकी सेवा सुरक्षा जरूरी है। जय भारत! जय गौमाता!
-मेरा राजस्थान

जहाँ गाय रहती कहाँ, धर्म सदा ही संग। धर्म-ध्वजा फहरे वहाँ, नायें देख विहंग।।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन।

रतनलाल गोयल
अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट
पानीपत निवासी-पुणे प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9422025049

३० मार्च २०२६ को 'राजस्थान स्थापना दिवस' के उपलक्ष में आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम के संदर्भ में रतन गोयल जी कहते हैं कि यह बहुत ही अच्छा कार्यक्रम रहा, 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के तत्वाधान में, आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम एक उच्चस्तरीय आयोजन के रूप में जाना और पहचाना जा रहा है, संपूर्ण राजस्थानी समाज को एकत्रित करने की अच्छी मुहिम है, अपनी कला संस्कृति और पहचान को बनाए रखने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए।

'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन जी द्वारा किया जा रहा यह प्रयास बहुत ही सराहनीय है, समाज सेवा के लिए वह आदर्श प्रस्तुत किया गया, आज हमारे समाज को ऐसे लोगों की बहुत जरूरत है, तभी हमारा समाज संगठित होकर आगे बढ़ेगा।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम केवल 'भारत' ही रहना चाहिए, इंडिया तो अंग्रेजों का दिया नाम है, हमारी पहचान भारत से थी और 'भारत' से ही रहनी चाहिए।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान निश्चित रूप से मिलना चाहिए, धार्मिक क्रियाकलापों व हमारे ग्रंथों में गाय को विशेष स्थान दिया गया है, उनकी पूजा की जाती है, इसीलिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

रतनलाल जी मूलतः पानीपत, हरियाणा के निवासी हैं। आपका जन्म और शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप 'पुणे' में बसे हैं और कारोबार से जुड़े रहे, वर्तमान में पूरी तरह से समाज कार्यों में सक्रिय हैं, पिछले १३ सालों से 'अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से अब तक २६१ विवाह संपन्न करवाए हैं। आपका 'गोयल मंगल कार्यालय' है, जिसमें विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाता है और इस दौरान भोजन पानी व अन्य व्यवस्था आपके द्वारा की जाती है, आप सामाजिक कार्यों में भी हमेशा सक्रिय रहते हैं। जय भारत! जय गौमाता!

-मेरा राजस्थान

१५ अगस्त को पुणे में भारतीय स्वतंत्रता दिवस पर झांकी का आयोजन होगा- मंजू अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मैं भारत हूँ फाउंडेशन

पुणे: भारत का एक राज्य महाराष्ट्र की सांस्कृतिक नगरी पुणे में स्थापित 'द पुणे मर्चेंट एसोसिएशन' के सभागार में अंतरराष्ट्रीय संगठन 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन १२ अप्रैल २०२६ की संध्या ४:०० बजे किया गया था, कारण यह था कि ३० मार्च २०२६ को संस्थान द्वारा आयोजित ९वें वर्ष में प्रवेश करते हुए 'आपणों राजस्थान' की अपार सफलता के बाद संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिजय कुमार जैन मुंबई के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में विभिन्न राजस्थानी समाज के प्रभुत्व लगभग ६० प्रतिनिधियों ने भाग लिया और ३० मार्च को हुए सांस्कृतिक 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की समीक्षा चर्चा की, सभी ने करतल ध्वनि से 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम की सफलता का स्वागत किया और जोरदार आवाज में कहा कि इसी प्रकार के कार्यक्रम 'पुणे' में आयोजित होते रहने चाहिए और एक पुणे समिति का भी गठन 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के वर्तमान में बनीं राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्याम प्रेमी मंजू जी अग्रवाल के मार्गदर्शन में किया जाना चाहिए, जिसमें सभी भारतीय समाज की उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम श्रीमती गीता जयप्रकाश गोयल ने 'भारत' को केवल 'भारत' ही बोला जाए INDIA नहीं अभियान की भूरी-भूरी प्रशंसा की और अभियान को भरपूर समर्थन देने का आश्वासन भी दिया। 'द पुणे मर्चेंट एसोसिएशन' के अध्यक्ष राजेंद्र भाटिया (उपाध्यक्ष 'राजस्थान फाउंडेशन' राजस्थान सरकार द्वारा संचालित) ने कहा कि पुणे में लगभग ८ लाख राजस्थानी विभिन्न संप्रदाय के निवासित हैं, उन सबके साथ मिलकर एक बड़ा समारोह का आयोजन हमें करना चाहिए, जिसमें सभी राजस्थानी धर्मावलंबी एक दूसरे से परिचित हों, साथ ही एक दूसरे की संस्कृति से संगठित होकर ओतप्रोत रहें। सकल जैन समाज के अध्यक्ष डॉ. अशोक पगारिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि 'राजस्थानी फेस्टिवल' का आयोजन विराट स्वरूप पुणे में हो, जिससे हम अपनी भारतीय राजस्थानी संस्कृति से पुणे के आवाम को परिचित करा सकें, क्योंकि हमारी राजस्थानी संस्कृति सभी का स्वागत करते हुए 'पधारो सा' का ही आह्वान करती है। पुणे के नगरसेवक प्रवीण चोरबले ने अपने वक्तव्य में कहा कि बहुत ही खुशी है कि आज मैं राजस्थानी महानुभावों के बीच बैठा हूं। आयोजित 'आपणों राजस्थान' कार्यक्रम में तो मैं उपस्थित नहीं हो पाया, पर मिली जानकारीनुसार कार्यक्रम अति भव्य हुआ, जिसके लिए मैं 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' के पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ और यह भी कहता हूं कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम 'पुणे' में आयोजित होते ही रहना चाहिए, जिससे सभी भारतीयों की राजस्थानी संस्कृति से पहचान हो। पुणे में १५ अगस्त २०२६ को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष पर 'भारतीय सांस्कृतिक झांकी' का आयोजन किया जाए, जिसमें भारत के २९ राज्यों की संस्कृति का समावेश हो, जिसकी सफलता के लिए बैठक में उपस्थित उपस्थित पूर्णिमा लुणावत ने कहा कि मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी मैं सहर्ष पूरा करने का प्रयास करूंगी। उपस्थित महानुभावों ने 'जय भारत' का अंर्तनाद करते हुए कहा कि 'मैं भारत हूँ फाउंडेशन' का आह्वान 'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' इंडिया नहीं व 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान की सफलता के लिए संस्थान के साथ हम पूणें निवासी वर्तमान में बनी 'मैं भारत हूँ' फाउंडेशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्याम प्रेमी मंजू अग्रवाल का भी करतलध्वनि से सम्मान किया और कहा कि मंजू जी! आप आगे बढ़ें हम सभी आपके साथ हैं।

-मैं भारत हूँ

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

पधारो म्हारे देश

मेरा राजस्थान

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

राजस्थान का इतिहास
पहुँचाए आपके हाथ

मात्र रु. १००/- में, प्रति महिना

भारत का एक राज्य राजस्थान का एक नगर

1 प्रति ₹ 100/- **सोजत** 1 प्रति ₹ 100/-

के इतिहास की प्रति मंगवाने के लिए संपर्क करें:- 022-4015-8018

सम्पादक

बिजय कुमार जैन

उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)

पंजीकृत कार्यालय

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९

दूरध्वनि: ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com

विशेष छूट

विज्ञापन देने पर पूरे साल 'मेरा राजस्थान' पत्रिका मुफ्त

वार्षिक शुल्क १२००/-
आजीवन शुल्क ११,१११/-

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

Remove 'INDIA' Name From The Constitution

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/04/2026 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

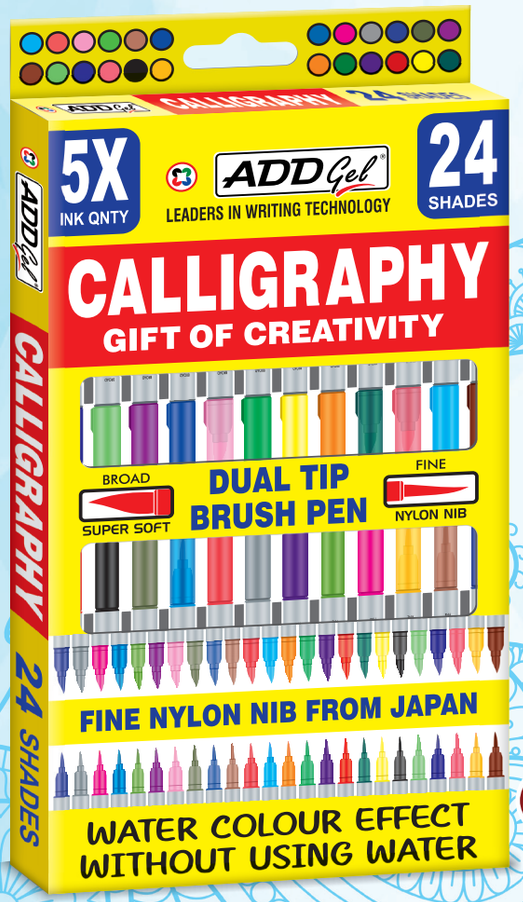

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड
अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in